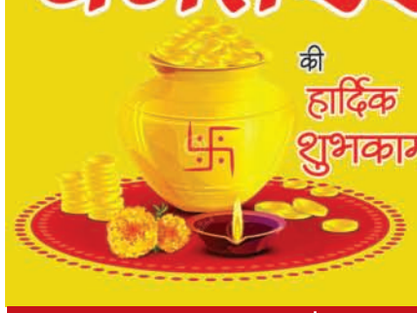

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 308 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 29 अक्टूबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

सलमान-जीशान को धमकी देने वाला नोएडा से गिरफ्तार

25 अक्टूबर को जीशान के दफ्तर में किया था फोन

नोएडा (चेतना मंच)। फिल्म अभिनेता सलमान खान और एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुंबई पुलिस ने उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर से एक शख्स को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस धमकी देने के आरोपी को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर मुंबई चली गई है। बता दें के मुंबई के बांद्रा ईस्ट स्थित जीशान के पब्लिक रिलेशंस ऑफिस को यह धमकी भरा कॉल आया था। धमकी भरा कॉल शुक्रवार शाम 25 अक्टूबर को आया था। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

बरेली का रहने वाला है आरोपी

फिल्म अभिनेता सलमान खान और जीशान सिददीकी को धमकी देने वाला आरोपी मोहम्मद तैयब उर्फ गुरफान मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बरेली शहर का रहना वाला बताया जाता है। उसकी दो बहनें भी हैं। गुरफान इन दिनों अपने मामा के साथ दिल्ली में रह रहा है और कारपेंटर का काम करता है। गुरफान ने पुलिस को बताया कि उसने मजाक में फिल्म अभिनेता सलमान खान और जीशान को धमकी भरा कॉल किया था। हालांकि पुलिस उसकी बातों पर विश्वास नहीं कर रही है और उससे पूछताछ जारी है।

500 साल बाद अयोध्या में भव्य दीपावली : प्रधानमंत्री

रोजगार मेले में 51 हजार से ज्यादा युवाओं को बांटे नियुक्ति-पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले के तहत नवनियुक्त 51,000 से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। पीएम मोदी ने इस दौरान देशवासियों को धनतेरस के लिए बधाई दी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि यह दिवाली बहुत खास होने वाली है। यह इसलिए भी खास होगी क्योंकि 500 साल के लंबे इंतजार के बाद प्रभु रामलला के भव्य अयोध्या मंदिर में विराजमान होने के बाद यह पहली दिवाली है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दो दिन बाद हम सभी दीपावली का पर्व भी मनाएंगे। इस साल की दीपावली बहुत खास और स्पेशल है। 500 वर्षों के बाद प्रभु श्रीराम अयोध्या के अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं और उस भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद ये पहली दीपावली है। इस दीपावली की प्रतीक्षा में कई पीढ़ियां गुजर गईं, लाखों लोगों ने बलिदान दिए, यातनाएं झेली। हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं, जो ऐसी विशेष, खास और भव्य दीपावली के साक्षी बनेंगे।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि देश के लाखों युवाओं को भारत सरकार में परमानेंट सरकारी नौकरी देने का सिलसिला लगातार जारी है। बीजेपी और NDA शासित राज्यों में भी लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। अभी-अभी हरियाणा में तो नई सरकार बनते ही 26 हजार युवाओं को नौकरी का उपहार मिला है। इन दिनों हरियाणा में एक उत्सव का माहौल है।

नरेंद्र मोदी ने कहा, 'देश के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिले, ये हमारा कमिटमेंट है. सरकार की नीतियों और निर्णयों का भी रोजगार सृजन पर **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

भारत की अखंडता के सूत्रधार थे सरदार पटेल : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। 'अखंड भारत' के स्वप्नद्रष्टा, लौह पुरुष, 'भारत रत्न' सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में आज लखनऊ में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' को समर्पित फ्रीडम रन (रन फॉर यूनिटी) का शुभारंभ हुआ।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पांच कालीदास मार्ग से केडी सिंह बाबू स्टेडियम तक आयोजित इस दौड़ में सैकड़ों युवाओं, बच्चों और आम नागरिकों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। इस दौरान सीएम योगी **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ठेकेदार की लापरवाही से मजदूर की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। नाले की खुदाई के दौरान बिजली का करंट लगने से हुई मजदूर की मौत के मामले में ठेकेदार के खिलाफ थाना फेस-1 में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मृतक के पिता ने ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से हरदोई निवासी जदूबीर ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपने परिवार के साथ हाल में सर्फाबाद गांव में रह रहा है। उसका बेटा दीपक ट्रैक्टर ट्राली से मिट्टी व मलबा उठाने का काम करता है। 16 अक्टूबर की सुबह उसका बेटा दीपक अपने साथी मनोज के साथ घर से काम करने के लिए निकला था। नोएडा स्टेडियम चौराहे पर एक काले रंग की स्कॉर्पियो कार के चालक ने उन्हें रोका और बताया कि उसने सेक्टर-8 में नाला बनाने का ठेका ले रखा है। वहां पर नाले के अंदर से निकलने वाली **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

गाजियाबाद कोर्ट में भारी हंगामा, लाठीचार्ज में वकील घायल

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद जिला न्यायालय में आज दोपहर भारी हंगामा हो गया। जिला जज के कोर्ट रूम में नाराज वकीलों ने जब हंगामा किया तो पुलिस ने उन्हें बाहर निकालने के लिए लाठीचार्ज किया। इसके बाद हालात बिगड़ गए और वकीलों ने पत्थर बरसाने शुरू कर दिए और तोडफोड़ की। खबर लिखे जाने तक जिला न्यायालय में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए केन्द्रीय पुलिस बल ने मोर्चा संभाल रखा था।

जानकारी के मुताबिक जिला जज के कोर्ट रूम में आज वरिष्ठ वकील नाहर सिंह यादव एक मामले में बहस कर रहे थे। जज के फैसले से नाराज होकर वरिष्ठ वकील नाहर सिंह यादव नाराज हो गए और हंगामा करने लगे। आरोप है कि **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

फोन पर दी जान से मारने की धमकी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 में दो लोगों के खिलाफ फोन पर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपियों ने पीड़ित की पत्नी के लिए भी अपशब्द कहे। सेक्टर-12 वी ब्लॉक में रहने वाले प्रमोद जुयाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसे पिछले कुछ दिनों से लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। सेक्टर 56 में रहने वाले सुशांत शर्मा और उसके परिवार की तरफ से उसे यह धमकियां आ रही हैं। प्रमोद जुयाल के मुताबिक 25 अक्टूबर की देर रात उसे चेतन त्यागी नाम के व्यक्ति का फोन आया। उक्त व्यक्ति ने खुद को सुशांत शर्मा **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

जिम से लौटते समय सोने की चेन लूटी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-74 स्थित जिम से एक्सरसाइज करके लौट रहे युवक के गले से बाइक सवार बदमाशों ने सोने की चेन झपट ली। पीड़ित ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ थाना दर्ज कराया है।

थाना सेक्टर-113 पुलिस ने इस मामले को दो माह बाद दर्ज किया है। सेक्टर-75 स्टेट गोल्फ सिटी सोसाइटी निवासी मनोज कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर 74 स्थित स्काईटेक जिम में रोजाना एक्सरसाइज करने जाता था। 27 अगस्त को वह जिम से वापस घर लौट रहा था। सेक्टर-74,75 के चौराहे पर पीछे से बाइक पर आए दो बदमाशों ने उसके गले से सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए। उसने इस संदर्भ में ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने की कोशिश की लेकिन वह रद्द हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

लिफ्ट लगाने की नीति में संसोधन सभी तलों से लेनी होगी एनओसी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में चार मंजिला भवनों में लिफ्ट लगवाने की पॉलिसी में बदलाव किया गया है। इसके तहत अब जिस ब्लाक और टावर के लिफ्ट लगाने के लिए अनुरोध किया जाएगा। उस टावर और ब्लाक के सभी तलों के आवंटियों द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा। इसके बाद ही प्राधिकरण की ओर से लिफ्ट लगाने की अनुमति दी जाएगी। इससे पहले प्रथम तल और उसके ऊपरी तलों के 50 प्रतिशत से अधिक फ्लैट आवंटियों द्वारा अनापत्ति का शपथ पत्र लिया जाता था। इस संसोधन को प्राधिकरण ने अपनी बोर्ड में पास किया।

नोएडा के कई सेक्टरों में प्राधिकरण और निजी बिल्डरों द्वारा चार मंजिला के भवनों का निर्माण किया गया है। नोएडा की भवन नियमावली के तहत ये फ्लैट बहुमंजिला की श्रेणी में नहीं आते। ऐसे में इन भवनों में लिफ्ट लगाने के लिए प्राधिकरण **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ई-स्कूटी से बैटरी चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-104 स्थित हाजीपुर गांव में डिलीवरी देने गए एक डिलीवरी बॉय की ई-स्कूटी से चोरों ने बैटरी चोरी कर ली। पुलिस ने करीब ढाई माह बाद चोरी का यह मुकदमा दर्ज किया है। अतुल कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह ई-कॉमर्स कंपनी में इलेक्ट्रिक स्कूटी से डिलीवरी का काम कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहा है। 12 जुलाई को वह 4 बजे अपनी स्कूटी से सेक्टर-104 स्थित हाजीपुर गांव में ऑर्डर देने के लिए गया था। ऑर्डर देकर जब वह वापस आया तो उसकी ई-स्कूटी स्टार्ट नहीं हुई। उसने जब अपनी स्कूटी की जांच की तो पता चला कि किसी व्यक्ति ने उसकी बैटरी चोरी कर ली है। पीड़ित के मुताबिक उसने इसकी सूचना पुलिस को दी लेकिन उसकी कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। करीब ढाई माह बाद पुलिस ने इस मामले को दर्ज किया है।

बोरी में भरकर बेच रहा था पटाखे

नोएडा (चेतना मंच)। दीपावली से पहले पटाखे की अवैध रूप से बिक्री कर रहे दुकानदारों के खिलाफ गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट पुलिस ने अभियान छेड़ा हुआ है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से अवैध रूप से पटाखे बेच रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में पटाखे बरामद हुए हैं। थाना सेक्टर-142 प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम को सूचना मिली कि मंगल बाजार के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से पटाखे बेच रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर छापा मारा। इस दौरान वहां एक व्यक्ति पटाखे बेचता हुआ दिखाई दिया। मौके पर बोरी में पटाखे भरे हुए थे। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम ओम गर्ग पुत्र कैलाश गर्ग निवासी ग्राम शहदरा बताया। इसके पास से पटाखे बरामद हुए हैं। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

दुकान में चोरी करने वाले बदमाश से मुठभेड़

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना इकोटेक-3 पुलिस ने दुकान में चोरी की घटना का 18 घण्टे में खुलासा करते हुये मुठभेड़ के दौरान चोरी करने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना इकोटेक-3 पुलिस को सीआईएसएफ कैम्प वाले रोड पर ग्राम सुत्याना की तरफ से साईकिल पर सवार एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। उक्त व्यक्ति पुलिस बल को अचानक अपनी ओर आता देखकर साईकिल को पीछे मोडकर तेजी से भागने लगा। पुलिस बल को उस पर शक हुआ और उसे रूकने के लिये आवाज दी तो **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

उद्योगपति रतन टाटा को दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। पद्मविभूषण से अलंकृत, भारत के नामचीन उद्योगपति व समाजसेवी स्वर्गीय रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से एक्टिव एनजीओ ग्रुप द्वारा नोएडा स्टेडियम में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिन्होंने रतन टाटा के प्रति अपनी भावनाएँ प्रकट कीं और उनके महान कार्यों के प्रति आदर प्रकट किया।

सभा में वक्ताओं ने रतन टाटा के समाजसेवा, उद्योग और उनके विनम्र व्यक्तित्व से जुड़ी अपनी यादें साझा कीं। सभी ने उनके सामाजिक योगदान को सराहा और उनके अनुकरणीय जीवन को प्रेरणा का स्रोत बताया।

इस अवसर पर एक्टिव एनजीओ ग्रुप के एडमिन और नवरत्न फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, नोवरा के अध्यक्ष रंजन तोमर, युवा क्रांति सेना के **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

नोएडा प्राधिकरण ने एयरपोर्ट के लिए जारी किए 486 करोड़ रुपए

विस्थापित लोगों के पुर्नवास के लिए होंगे खर्च, 37.5 प्रतिशत की है शेयर होल्डिंग

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा एयरपोर्ट पर 17 अप्रैल 2025 को पहली कॉमर्शियल फ्लाइट उड़ान भरेगी। एयरपोर्ट के स्टेज-2 के फेज-1 के निर्माण में अर्जित भूमि से प्रभावित ग्रामीणों के पुर्नवास के लिए नोएड प्राधिकरण ने 486 करोड़ 30 लाख 96 हजार रुपए रीलीज कर दिया है। दरअसल नोएडा प्राधिकरण नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी की ज्वांट वेंचर कंपनी है। साथ ही इस कंपनी में सबसे बढ़ा 37.5 प्रतिशत की शेयर होल्डिंग भी रखती है। ऐसे में निर्माण से लेकर विस्थापित **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

नौएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

पहले फेज के 80 प्रतिशत काम हो गया पूरा

नोएडा में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट 80 प्रतिशत बनकर तैयार हो चुका है। 17 अप्रैल 2025 को यहां से पहली कॉमर्शियल फ्लाइट उड़ान भरेगी। 2 टर्मिनल वाला यह एयरपोर्ट 6 हजार हेक्टेयर एरिया में तैयार किया जा रहा है। एयरपोर्ट पर 186 हवाई जहाज की पार्किंग होगी। 4 फेज में 2 रन-वे तैयार होंगे। यह देश का पहला एयरपोर्ट होगा, जहां मल्टी-मॉडल कार्गो हब होगा। इससे इंडस्ट्री के सामान लाना और ले जाना आसान होगा।

29 हजार करोड़ से 6 हजार हेक्टेयर में बनेगा

यह एयरपोर्ट 29 हजार 650 करोड़ की लागत से 6 हजार हेक्टेयर में तैयार किया जा रहा है। पहले फेज में 10 हजार 56 करोड़ की लागत से 1334 हेक्टेयर में कंस्ट्रक्शन हुआ है। इसे बनाने में 3 हजार मजदूर लगाए गए। अथॉरिटी के मुताबिक, करीब 8 हजार करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। एयरपोर्ट 4 फेज में बनकर तैयार होगा।

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती
ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा

फ़ोन .08750611103

धमकी का सिलसिला

यह सवाल हर भारतीय को परेशान कर रहा है कि भारतीय एयरलाइन्स के जहाजों को लेकर दी जा रही धमकियों की यह बाढ़ सी क्यों आ रही है? आखिर फ्लाइट्स को डिजिटली धमकी देने वालों तक हमारा खुफिया तंत्र क्यों नहीं पहुंच पा रहा है? बार-बार मिलने वाली फर्जी धमकियों से जहां इन विमानन कंपनियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, वहीं यात्रियों को उड़ान में देरी व सुरक्षा जांच के चलते भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विमानन कंपनियों के आर्थिक नुकसान व यात्रियों पर मानसिक दबाव के मद्देनजर जो तत्परता सरकार की तरफ से दिखायी जानी चाहिए थी,वो नजर नहीं आ रही है। इस घटनाक्रम से आम यात्रियों में हवाई यात्रा को लेकर असुरक्षाबोध पैदा हो रहा है। हालांकि, अधिकांश धमकियां फर्जी ही निकली हैं, लेकिन इन अपराधियों तक पहुंचना जरूरी है। चिंता यह भी कि यदि भविष्य में किसी आतंकी साजिश के प्रति कोई वास्तविक सचेतक सूचना भी आएगी तो संभव है, उसे गंभीरता से न लिया जाए। अतः हर स्तर पर सावधानी बरती जानी जरूरी है। वहीं ऐसी हरकत करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है। इस तरह लगातार मिल रही धमकियों की वजह से निरंतर फ्लाइट्स देर से उड़ान भर रही हैं, यात्री और उनके परिजन परेशान हो रहे हैं। विमानन कंपनियों को अपनी फ्लाइट कैंसिल करनी पड़ रही हैं। ऊपरी तौर पर ऐसे घटनाक्रम का आर्थिक नुकसान विमानन कंपनियों को हो रहा है, लेकिन बाद में उसका असर आखिर यत्रियों की जेब पर ही पड़ना स्वाभाविक है। कुल मिलाकर नुकसान देश का ही है। लेकिन सरकार की तरफ से ऐसा संकेत नहीं मिल रहा है कि इससे निपटने के लिये कोई बड़ी व कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कमोबेश ऐसी ही स्थिति ट्रेनों के मार्ग पर लगातार अवरोधक लगाने की घटनाओं से भी सामने आई है। जिसके सामने तंत्र लाचार नजर आता है। सरकार को समझना चाहिए कि ऐसे अफरा-तफरी के माहौल से विमानन कंपनियों की सेवा व सुरक्षा व्यवस्था के प्रति लोगों में अविश्वास पैदा होता है। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था इतनी चाक-चौबंद हो कि ऐसी फर्जी धमकियों पर विचलित होने के बजाय उड़ानों का संचालन सहज ढंग से हो सके। कहीं न कहीं हमारे तंत्र में आत्मविश्वास की कमी की वजह से भी ऐसी अफरा-तफरी मचती है। हमारा सुरक्षा तंत्र इतना लचर भी नहीं होना चाहिए कि एक फर्जी धमकी से हम भयभीत हो जाएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। देखना यह भी जरूरी है कि फर्जी धमकी देने वाले सुरक्षित कैसे बच रहे हैं। लगातार विस्तार पाती डिजिटल दुनिया में होने वाले साइबर अपराधों की तह तक पहुंचने वाला हमारा तंत्र कमजोर क्यों नजर आ रहा है। क्यों हम धमकी भेजने वाले के ई-मेल पते को ट्रेस नहीं कर पा रहे हैं। आधुनिक तकनीक से डिजिटल निगरानी को वक्त की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया जाना चाहिए।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यदि मूर्ख मनुष्य ज्ञान के अभिमान से इस प्रकार होड़ करते हैं, तो वे कल्पभर के लिए नरक में पड़ते हैं। भला कहीं जीव भी ईश्वर के समान (सर्वथा स्वतंत्र) हो सकता है?॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सुरसरि जल कृत बारुनि जाना। कबहुँ न संत करहिं तेहि पाना॥
सुरसरि मिलें सो पावन जैसें। ईस अनीसहि अंतरु तैसें॥

गंगा जल से भी बनाई हुई मदिरा को जानकर संत लोग कभी उसका पान नहीं करते। पर वही गंगाजी में मिल जाने पर जैसे पवित्र हो जाती है, ईश्वर और जीव में भी वैसा ही भेद है॥

संभु सहज समरथ भगवाना। एहि बिबाहँ सब बिधि कल्याना॥
दुराराध्य पै अहहिं महेसू। आसुतोष पुनि किएँ कलेसू॥

शिवजी सहज ही समर्थ हैं, क्योंकि वे भगवान हैं, इसलिए इस विवाह में सब प्रकार कल्याण है, परन्तु महादेवजी की आराधना बड़ी कठिन है, फिर भी क्लेश (तप) करने से वे बहुत जल्द संतुष्ट हो जाते हैं॥

जौं तपु करै कुमारि तुम्हारी। भाविउ मेटि सकहिं त्रिपुरारी॥
जद्यपि बर अनेक जग माहीं। एहि कहँ सिव तजि दूसर नाहीं॥

यदि तुम्हारी कन्या तप करे, तो त्रिपुरारि महादेवजी होनहार को मिटा सकते हैं। यद्यपि संसार में वर अनेक हैं, पर इसके लिए शिवजी को छोड़कर दूसरा वर नहीं है॥

(क्रमशः...)

धनतेरस से प्रारंभ होता है दीपावली पर्व

दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस का त्योहार दीपावाली पर्व के पहले दिन को दर्शाता करता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चैक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है।

धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है, इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं, उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावाली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व मे घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली पर पर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधिया ना करे।

रमेश सर्राफ धमोरा
(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

दिवाली की डेट को लेकर आप भी कन्फ्यूज हैं?

दिवाली पर्व की तिथि को लेकर असमंजस की तिथि बनी हुई है। आखिर दिवाली कब मनाई जाएगी। ऐसे में विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता व श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के सदस्य द्वारा दिवाली की तारीख की पुष्टि कर दी गई है।

इस साल दिवाली की तिथि को लेकर काफी कन्फ्यूजन है। अमावस्या तिथि दो दिन पड़ने की वजह से लोग असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। द्रिक पंचांग के अनुसार, 31 अक्टूबर की दोपहर 03 बजकर 52 मिनट से अमावस्या तिथि शुरु हो रही है और 1 नवंबर को शाम 06 बजकर 16 मिनट तक रहेगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार, दिवाली कार्तिक मास की अमावस्या तिथि को मनाई जाती है। वहीं, उदया तिथि के अनुसार 1 नवंबर को अमावस्या तिथि मान्य होगी लेकिन इस दौरान प्रदोष काल का समय पूर्ण रुप से नहीं मिल पा रहा है।

दिवाली 31 अक्टूबर या 1 नवंबर को?

दिवाली की डेट की कन्फ्यूजन को लेकर विश्व हिंदू परिषद के प्रवक्ता ने शरद शर्मा ने इंडिया टुडे से बात करके बताया कि दिवाली की तारीख वास्तव में 31 अक्टूबर है। उन्होंने बताया कि, इस साल अमावस्या, कृष्ण पक्ष की 14वीं तिथि के साथ पड़ रही है, इसके साथ ही दिवाली 31 अक्टूबर की रात्रि को मनाई जाएगी, क्योंकि अमावस्या उसी दिन दोपहर से शुरु हो रही है।

अयोध्या मंदिर ट्रस्ट क्या बोले

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के सदस्य अनिल मिश्रा ने दिवाली त्योहार की तारीख की पुष्टि की है कि 31 अक्टूबर के दिन ही दिवाली पर्व मनाया जाएगा।

प्रवक्ता शरद शर्मा ने कहा, दिवाली से एक दिन पहले मनाए जाने वाला त्योहार दीपोत्सव 30 अक्टूबर के दिन मनाया जाएगा। दीपोत्सव के साथ हनुमान जयंती भी इसी दिन मनाई जाएगी, जो अयोध्या में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण पर्व है।

राशिफल

कार्तिक कृष्ण पक्ष : द्वादशी — **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
अनावश्यक खर्च होंगे, रोग व्याधि, अनाब शनाब खर्चे, चोरी होना या पैसा कहीं खो जाना इत्यादि मतलब लॉस के चांसेस हैं।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
यात्रा में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। स्वास्थ्य आपका मध्यम है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। कोर्ट-कचहरी में हार का संकेत दिख रहा है या असमंजस की स्थिति रहेगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
कार्यों में विघ्न बाधा रहेगी। भाग्य में रोड़े रहेंगे। अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू मैं-मैं के संकेत हैं। स्वास्थ्य खराब स्थिति में दिख रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
कन्या राशि की स्थिति 1 तरीके से ठीक-ठाक कही जाएगी लेकिन जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। कार्यों की विघ्न बाधा खत्म होगी। राह के रोड़े हटेंगे। स्वास्थ्य प्रभावित होगा। प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू मैं-मैं से बचें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी न लें। भावुक बने रहेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
घरेलू सुख बाधित। गृह कलह के संकेत। स्वास्थ्य मध्यम क्योंकि रक्तचाप ऊपर नीचे होता रहेगा। मां का स्वास्थ्य गड़बड़।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
नाक, कान, गले की परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान मध्यम, व्यापार मध्यम।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। गंदी जुबान से बचें। धन हानि के संकेत हैं। प्रेम संतान ठीक है, व्यापार भी लगभग ठीक रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। बच्चों का स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। प्रेम में तू-तू मैं-मैं।

किसान सभा की पंचायत सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। घोड़ी गांव में किसान सभा की जनसभा हुई। घोड़ी गांव में किसान सभा की कमेटी द्वारा पंचायत का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने हिस्सा लिया पंचायत की अध्यक्षता सतपाल खारी ने की। संचालन निशांत रावल ने किया।

किसान सभा के जिला सचिव निशांत रावल ने कहा कि घोड़ी कमेटी पूरी तरह मुस्तैद है। 10 प्रतिशत प्लाट को लिए बिना हम चैन से बैठने वाले नहीं हैं। पंचायत को संबोधित करते हुए किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने कहा कि हमारा आंदोलन पहले दो चरण में पूरी तरह सफल रहा है 10 परसेंट के मुद्दे पर किसान सभा प्राधिकरण बोर्ड से प्रस्ताव पास करवा कर पहले ही भिजवा चुकी है दूसरे दौर के आंदोलन में किसान सभा ने सरकार को सिफारिश देने के लिए कमेटी का गठन कराया कमेटी ने 10 प्रतिशत एवं नए कानून को लागू करने के मुद्दे को छोड़कर अन्य सभी मुद्दों पर अपनी सकारात्मक सिफारिश दी हैं।

किसान सभा के जिला महासचिव जगबीर नंबरदार ने संबोधित करते हुए कहा कि पूरे जिले के सभी संगठन एकजुट हैं। अब की बार आंदोलन में हजारों की संख्या में किसान इकट्ठा होंगे और आंदोलन को उसके अंतिम परिणाम पर पहुंच कर ही दम लेंगे। किसान सभा के जिला सचिव संदीप भाटी ने कहा कि हमारा कोई भी आंदोलन आज तक असफल नहीं हुआ है कलेक्ट्रेट पर अभी हाल ही में संपन्न हुए आंदोलन में कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग को लेकर किसान पहुंचे थे जिसमें वह पूरी तरह सफल रहे और सरकार को झुकते हुए रिपोर्ट सार्वजनिक करनी पड़ी।

शिक्षक संघ की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ बिसरख ब्लॉक कार्यकारिणी की मासिक बैठक का आयोजन कंपोजिट विद्यालय होशियारपुर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने की।

बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष बिसरख स्मिता सिंह ने प्राथमिक शिक्षक संघ के इतिहास पर प्रकाश डाला तथा कहा कि प्राथमिक शिक्षक संघ शिक्षकों की हितों की लड़ाई के लिए सदैव तत्पर है। विशिष्ट बीटीसी 2004 के बैच वालों का ना तो N.P.S कटता है और ना ही O.P.S कटता है उनके बोनस का भुगतान जल्दी किया जाए। जिन अध्यापकों के चयन वेतनमान लंबित है उनका जल्द से जल्द चयन वेतनमान लगाया जाए। जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा जी ने कहा कि किसी भी शिक्षक का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अपने हितों के लिए सदैव तत्पर रहे। संघ एक आवाज पर शिक्षक हित के लिए हमेशा उपस्थित रहेगा। बैठक में ब्लॉक मंत्री मीना यादव ने सभी आए हुए शिक्षकों का स्वागत एवं धन्यवाद किया तथा एकजुट रहने के लिए आश्वासन लिया। सभी पदाधिकारी से समस्याओं के बारे में चर्चा की गई एवं शीघ्र ही समस्याओं के निस्तारण करवाने का आश्वासन दिया गया।

बैठक में जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जिला कार्यकारिणी से हेमंत खोदना शशि मिश्रा,माझिया सुल्ताना अनु शर्मा ने सहभागिता की। जिला ब्लॉक कार्यकारणी से संरक्षक रजनी यादव, ब्लॉक अध्यक्ष स्मिता सिंह, मंत्री मीना यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीमा तिवारी, कोषाध्यक्ष सीमा वष्णिये संयुक्त मंत्री ललित त्यागी, उपाध्यक्ष प्रिया किला, अपर्णा मिश्रा, लता पाठक, सरताज अहमद, गीता शर्मा, संगठन मंत्री शिप्रा पाठक, अनुवाला, प्रचार मंत्री सुनीता कुमारी, गीता अगरतानिया, आशा, अरुण तोमर, मुनेश कुमारी, मीनाक्षी, नूतन पांडेय अकाउंटेंट, जगदीश शर्मा आय व्यय निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

भोलानाथ कुशवाहा का एकांकी संग्रह 'लोकल वोकल' प्रकाशित

मिर्जापुर। जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा का एकांकी संग्रह 'लोकल वोकल' प्रकाशित हुआ है। यह उनकी 11वीं प्रकाशित कृति है। इसे हिन्दी श्री पब्लिकेशन ने प्रकाशित किया है। इसमें विविध ज्वलंत विषयों के 24 एकांकी शामिल हैं जिनमें आज के बदले व्यक्ति के साथ समाज, सत्ता, राजनीति और विश्व परिदृश्य पर संवादों के माध्यम से चर्चा की गयी है। एकांकी संग्रह पर अपनी शुभकामनाएँ देते हुए मुम्बई के अभिनेता व कवि रवि यादव रवि ने लिखा है कि उन्होंने आज के ज्वलंत मुद्दों को बड़ी बारीकी से उठाया है जो लोगों के लिए पठनीय है। वरिष्ठ साहित्यकार व परिंदे पत्रिका के संपादक विलास सिंह ने अपनी भूमिका में लिखा है-'कुल मिलाकर यह एकांकी संग्रह 'लोकल वोकल' हमारे समय की विसंगतियों का आईना है जो न केवल हमें सच्चाई दिखाता है बल्कि ठहर कर सोचने को मजबूर करता है।'

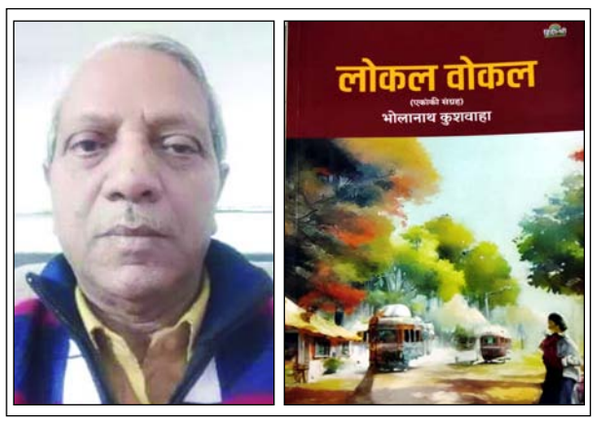

नगर के बाँकेलाल टंडन की गली, वासलीगंज निवासी 74 वर्षीय भोलानाथ कुशवाहा की अब तक लिखी गयी पुस्तकों में चार कविता संग्रह, एक नाटक, एक कहानी संग्रह, एक दोहा संग्रह, एक हाइकु संग्रह, एक नवगीत संग्रह, एक बालगीत संग्रह और एकांकी संग्रह हैं।

वह अभी भी लगातार लेखन में सक्रिय हैं। उनके नाटक 'ईशा' को उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ का 'मोहन राकेश सर्जना पुरस्कार' मिल चुका है। उनकी रचनाएँ हिन्दी की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होने के साथ आकाशवाणी इलाहाबाद, वाराणसी, बरेली, दिल्ली केंद्रों से एवं दूरदर्शन के इलाहाबाद व वाराणसी केंद्रों से प्रसारित हो चुकी हैं।

भोलानाथ कुशवाहा के एकांकी संग्रह 'लोकल वोकल' के प्रकाशित होने पर अनेक साहित्यकारों, कवियों एवं शायरों ने अपनी बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। बधाई देने वालों में सर्वश्री डॉ अनुज प्रताप सिंह, वृजदेव पांडेय, प्रो रेनूरानी सिंह, डॉ वंदना मिश्रा, प्रमोद कुमार सुमन, गणेश गंभीर, लल्लू तिवारी, अरविंद अवस्थी,डॉ रमाशंकर शुक्ल, केदारनाथ सविता, जफर मिर्जापुरी, आनन्द अमित, डॉ अनुराधा ओस, लालव्रत सिंह सुगम, हसन जौनपुरी, मुहिब मिर्जापुरी, नंदलाल सिंह, अनिल यादव, नन्दिनी वर्मा, डॉ सुधा सिंह, इला जायसवाल, सारिका चौरसिया, इम्तियाज अहमद गुमनाम, अमरनाथ सिंह, प्रमोद चंद्र गुप्त, पूजा यादव,खुर्शीद भारती, इरफान कुरैशी, आनन्द केसरी आदि हैं।

डॉ. कपिल सिंघल ने संभाला इंडियन सोसाइटी ऑफ़ एनएस्थेश्लोगिस्ट यूपी स्टेट चैप्टर के अध्यक्ष का पदभार

नोएडा (चेतना मंच)। डॉ कपिल सिंघल डायरेक्टर एंड हेड एनएस्थेसिया एंड क्रिटिकल केयर एंड डिप्टी मेडिकल डायरेक्टर मेट्रो हॉस्पिटल्स एंड हार्ट इंस्टिट्यूट नोएडा ने 46वें उत्तर प्रदेश राज्य सम्मेलन में इंडियन सोसाइटी ऑफ़ एनएस्थेश्लोगिस्ट यूपी स्टेट चैप्टर के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला, यह कार्यक्रम 26-27 अक्टूबर को ओरछा में आयोजित हुआ। बताते चले की डॉ कपिल सिंघल 22 वर्षों से अधिक समय से मेट्रो अस्पताल नोएडा में काम कर रहे हैं और अपने मरीज को यथासंभव सर्वोत्तम और एनेस्थिसिया देने में विश्वास रखते हैं।

वह सर्जरी से गुजर रहे सभी मरीजों को एनेस्थीसिया जांच के लिए जाने की सलाह देते हैं और वहां कोई एनस्थेशोलॉजिस्ट नहीं है। वह अपने नेतृत्व में जीवन जीने के लिए आम आदमी को सीपीआर प्रशिक्षण प्रदान करने में दृढ़ता से विश्वास करते हैं, उत्तर प्रदेश में ऐसे कई प्रशिक्षण परिसर और जागरूकता कार्यक्रम देखने को मिल सकते हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

500 साल बाद...

सीधा प्रभाव होता है. आज एक्सप्रेस वे, हाइवे, रोड, रेल, पोर्ट, एयरपोर्ट, फाइबर लाइन बिछाने का काम, नए-नए उद्योगों का विस्तार, देश के कोने-कोने में हो रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि पिछले 10 साल में हमारी नीतियों ने खादी एवं ग्रामोद्योग की पूरी तस्वीर बदल दी है. साथ ही, इससे जुड़े ग्रामीण लोगों के जीवन में भी बदलाव आया है। गौरतलब है कि खादी ग्रामोद्योग प्रति वर्ष 1.5 लाख करोड़ से अधिक का कारोबार कर रहा है।

सलमान-जीशान...

जीशान और सलमान खान दोनों को धमकी देकर पैसों की मांग की गई थी।

इस धमकी के बाद जीशान सिद्दीकी के ऑफिस की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई। इस मामले में निर्मल नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। धमकी भरे इस कॉल को लेकर लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर शक जताया जा रहा है।

इस मामले में पुलिस ने मोहम्मद तैयब उर्फ गुरफान नाम के शख्स को नोएडा से गिरफ्तार किया है। आरोपी दिल्ली का रहने वाला है। उसे सेक्टर-39 थाना इलाके से गिरफ्तार किया गया है और मुंबई पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गई है।

12 अक्टूबर को हुई थी बाबा सिद्दीकी की हत्या

इससे पहले जीशान के पिता बाबा सिद्दीकी की लॉरेंस गैंग के गुर्गों ने हत्या कर दी थी। 12 अक्टूबर को विजयादशमी के मौके पर बांद्रा में बाबा सिद्दीकी के दफ्तर के बाहर लोग पटाखे फोड़ रहे थे। तभी रात 9 बजकर 15 मिनट से लेकर 9 बजकर 20 मिनट के बीच बाबा सिद्दीकी अपने बेटे के दफ्तर से निकले। पटाखों के शोर के बीच बाबा सिद्दीकी पर हमला किया गया।

भारत की अखंडता के...

ने दौड़ में शामिल छोटे-छोटे बच्चों से मुलाकात की और उन्हें चॉकलेट वितरित कर प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने भगवान धन्वंतरि की जयंती पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समाज के सशक्तिकरण में स्वास्थ्य की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि आरोग्यता समाज के विकास की पहली शर्त है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज का निर्माण ही राष्ट्र को मजबूत बनाता है। इस अवसर पर आयोजित रन फॉर यूनिटी का आयोजन न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है बल्कि सरदार पटेल के एकजुट भारत के सपने को भी बल प्रदान करता है। उन्होंने कहा यह न सिर्फ एक एकता की दौड़ है बल्कि स्वस्थ रहने के संकल्प का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन हर नागरिक को स्वस्थ और एकजुट रहेने की प्रेरणा देता है।

सीएम योगी ने भारत की आजादी और आज के भारत की अखंडता में सरदार पटेल के महान योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने ब्रिटिश सत्ता के षड्यंत्र को बेनकाब कर 563 से अधिक रियासतों को भारत गणराज्य में मिलाया। जूनागढ़ के नवाब से लेकर हैदराबाद के निजाम तक सभी को उन्होंने भारतीय एकता के महत्व को समझने पर विवश किया। सरदार पटेल ने अखंड भारत का जो स्वरूप हमें दिया, वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में और मजबूत हो रहा है।

रन फॉर यूनिटी के माध्यम से सीएम योगी ने सभी को देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने देश की एकता और सुरक्षा के लिए नागरिकों से सेना के साथ अपनी भी जिम्मेदारी निभाने और सहयोग करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने धनतेरस, दीपावली और छठ के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं और सरदार पटेल की 150वीं जयंती को विशेष बनाते हुए उनके महान योगदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि यह अवसर हमें एकजुट होकर देश की सेवा में योगदान देने का संदेश देता है।

दुकान में चोरी करने...

वह साईकिल को और तेजी से भगाने लगा। खुद को घिरता हुआ देखकर उक्त व्यक्ति ने अपनी कमर पर टंगे बैग को उतारकर उसमे से तमंचा निकालकर अचानक पुलिस बल पर जान से मारने की नीयत से फायर किया। पुलिस द्वारा की गयी जवाबी कार्यवाही मे बदमाश को पैर मे गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश ने अपना नाम शिवा उर्फ पवन पुत्र रामसांवरे मौर्य नि0 ग्राम डडुआ खुर्द थाना रूधोली जनपद बस्ती हालपता संदीप का मकान ग्राम डेरिन थाना इकोटेक 3 गौतमबुद्धनगर उम्र 22 वर्ष बताया।

गाजियाबाद कोर्ट में...

उनके साथ मौजूद अन्य अधिवक्ताओं ने जिला जज के साथ बदसलूकी की। वकीलों को शांत करने के लिए जब गाजियाबाद पुलिस कोर्ट रूस में पहुंची तो तनाव बढ़ गया। पुलिस ने वकीलों पर लाठीचार्ज कर उन्हें कोर्ट रूम से बाहर निकाला तथा जिला जज को सुरक्षित न्यायालय से बाहर निकालकर ले गए।

कुछ ही देर में पुलिस और वकीलों के बीच नोंकझोंक शुरू हो गयी। जिसके बाद पुलिस ने वकीलों पर लाठीचार्ज कर दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता नाहर सिंह यादव के चोट लगी है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। स्थिति तनावपूर्ण होने के बाद गाजियाबाद जिला न्यायालय में अतिरिक्त पुलिस बल भेजा गया है। वहीं अधिवक्ता कोर्ट के बाहर एकत्र होकर नारेबाजी कर रहे हैं।

ठेकेदार की...

मिट्टी व कीचड़ को ट्रैक्टर में ट्राली में भरकर उसे स्पाइस मॉल के पीछे खाली करना है। उसने ट्रैक्टर ट्रॉली में मिट्टी भरकर स्पाइस मॉल के पीछे डालने के लिए 300 रुपए प्रति ट्रॉली तय की। इसके बाद दीपक व मनोज दोनों सैक्टर-8 में काम पर चले गए। वहां पर जेसीबी द्वारा नाले की खुदाई का कार्य किया जा रहा था।

जदूबीर के मुताबिक मिट्टी की खुदाई के दौरान वहां से जा रहा बिजली का तार टूट गया और लोहे के पाइप पर जा गिरा। पाइप पर बैठा उसका बेटा दीपक करंट की चपेट में आकर मौके पर ही बेहोश होकर गिर गया। बेहोशी की हालत में उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। 17 अक्टूबर को दीपक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। जदूवीर सिंह के मुताबिक दीपक की मृत्यु होने के बाद ठेकेदार अस्पताल से फरार हो गया। कई बार उसे फोन किया लेकिन उसने फोन पिक नहीं किया। पीड़ित के मुताबिक ठेकेदार की लापरवाही की वजह से उसके बेटे की मौत हुई है। थाना फेस वन प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

बोरी में भरकर...

वहीं थाना बादलपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर विनायक एनक्लेव में दुकान पर पटाखे बेच रहे कमलेश मिश्रा को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पटाखे बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक बरामद पटाखों को सीज कर दिया गया है। पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

फोन पर दी जान...

का भाई बताकर उसके साथ गाली गलौज की। इस दौरान फोन पर दो-तीन अन्य लोगों ने भी उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। बातचीत करने में सभी लोग नशे में लग रहे थे। चेतन त्यागी ने उसके परिवार को गंदी-गंदी गालियां देते हुए उसके ऑफिस में आकर उसे मारने की धमकी दी। इसके अलावा उसकी पत्नी के लिए भी अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया।

पीड़ित के मुताबिक चेतन त्यागी ने उसकी बेटियों का नाम लेकर भी उसे धमकाया। पीड़ित ने आशंका जताई है कि चेतन त्यागी व सुशांत शर्मा भविष्य में उसके साथ किसी अनहोनी घटना को अंजाम दे सकते हैं। इस आशंका से परिवार के लोग दहशत में हैं। पीड़ित ने गाली गलौज व धमकी देने की ऑडियो भी पुलिस को उपलब्ध कराई है। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

लिफ्ट लगाने की नीति...

बाध्य नहीं है। हालांकि यहां बुजुर्ग की संख्या को ब ?ते देख लिफ्ट लगवाने के लिए सेक्टर वासियों की ओर से लगातार डिमांड की जाती रही।

ऐसे में प्राधिकरण ने 186 बोर्ड बैठक में इससे संबंधित एक प्रस्ताव रखकर उसे पास किया। जिसके तहत जिस टावर में लिफ्ट लगानी है उसके प्रथम तल और ऊपरी तल से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा। संबंधित सोसाइटी और आरडब्ल्यूए से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना होगा। निर्माण का खर्चा आवेदन कर्ता को उठाना पड़ेगा। फायर डिपार्टमेंट से एनओसी लेनी होगी। इसे लागू किया। लेकिन इस बीच एक सोसाइटी के निवासियों ने आपत्ति उठाई कि लिफ्ट लगवाने में हमारी सहमति होनी जरुरी है। ये लोग बाकी तल पर रहने वाले है। ऐसे में 190वीं बोर्ड ने प्रथम के साथ ऊपर के सभी फ्लोर वालों की 50 प्रतिशत संख्या में अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने को कहा गया। जिसमें ग्राउंड फ्लोर को इस अनापत्ति से दूर रखा गया। इसे लागू किया गया।

लेकिन इस बार ग्राउंड फ्लोर निवासियों ने आपत्ति लगाई कि लिफ्ट से स्ट्रक्चर और कॉमन एरिया को कम किया जा रहा है। ऐसे में प्राधिकरण की 215वीं बोर्ड बैठक में नियम को संसोधित किया गया। और ग्राउंड समेत सभी तलों से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की बद ही लिफ्ट लगवाने के लिए आवेदन करने के क्लॉज को पास किया गया।

नोएडा प्राधिकरण ने...

लोगों के पुर्नवास की जिम्मेदारी भी प्राधिकरण की है।

जिसके लिए शेयर होल्डिंग के अनुसार डिमांड पर प्राधिकरण पैसा रीलीज करता है। स्टेज-2 के फेज-1 अधगृहण से सैकड़ों की सख्या में किसान और ग्रामीण प्रभावित होंगे। उनके पुर्नवास के लिए 1296 करोड़ रुपए खर्च किए जाने है। इसमें प्राधिकरण ने अपनी हिस्सेदारी के तहत 486 करोड़ 30 लाख 96 हजार रुपए रीजिल कर दिया है।

वहीं एग्रीमेंट से लेकर 30 जून तक 2024 तक प्राधिकरण 3644 करोड़ 90 लाख रुपए से ज्यादा की रकम रीलीज कर चुका है। बता दे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 25 नवंबर के ट्रायल रन शुरू होगा। इसके बाद एयरोड्रम से अनुमति ली जाएगी। वहां से अनुमति मिलते ही 17 अप्रैल को पहले कामर्शियल फ्लाइट उड़ान भरेगी।

उद्योगपति रतन टाटा...

अविनाश सिंह, ममता शर्मा, शशिपाल शर्मा, पवन नायडू, अशोक तिवारी, नोएडा लोकमंच के मुकुल वाजपेयी, लायन मान सिंह चौहान, वी केयर के कर्नल अमिताभ अमित, लायंस क्लब गोल्डन की ममता तिवारी, कँवल कोहली, आकाश चैरिटेबल ट्रस्ट के विंग कमांडर आशीष सक्सेना, युगधारा फाउंडेशन के स्वेता त्यागी, नारी उन्नति की बन्दना झा, एस सी झा, चैलेंजर्स ग्रुप के प्रिंस शर्मा, वाईएसएस के सचिन गुप्ता, ट्री शैल माथुर, कृष्ण मोहन, नवरत्न फाउंडेशन के ए. वी मुरलीधरन,अजय मिश्रा, राकेश यादव, दिनेश भाटी, सेक्टर 26 आरडब्लूए के राजू कौल, डॉ. कल्पना भूषण, कल्पना कला केंद्र अशोक टकयार, रूप राजिंदर सिंह, सपना भटनागर, दिव्य तरंग एजुकेयर शुभम आदि मौजूद थे।

200 करोड़ की लागत से बनेगा यमुना पर पुल

फरीदाबाद के लालपुर से गौतमबुद्धनगर के मंगरौली तक बनेगा 600 मीटर बनेगा पुल

नोएडा (चेतना मंच)। फरीदाबाद , नोएडा, गाजियाबाद (एफएनजी) एक्सप्रेस वे पर दोबारा से जल्द काम शुरू होगा। इसको लेकर हाल ही में नोएडा प्राधिकरण और पीडल्यूडी हरियाणा के बीच एक बैठक हुई थी। जिसमें बताया गया कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से इस एक्सप्रेसवे की परियोजना के सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। इस एक्सप्रेसवे की नई डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में तीन अलांइमेंट (मार्ग) तैयार किए गए हैं। पीडब्ल्यूडी मुख्यालय द्वारा मंजूरी देने के बाद एक पर काम शुरू किया जाएगा।

नोएडा से फरीदाबाद को जोड़ने के लिए यमुना पर करीब 600 मीटर लंबा पुल बनाया जाएगा। ये पुल नोएडा के मंगरोली गांव से फरीदाबाद के लालपुर तक जाएगा। इसके आगे फरीदाबाद अपनी एप्रोच रोड बनाएगा। पुल के निर्माण में करीब 200 करोड़ रुपए खर्च होंगे। जिसका वहन नोएडा प्राधिकरण और हरियाण सरकार 50-50 प्रतिशत करेगी। साथ ही दोनों ओर की एप्रोच रोड अपने-अपने खर्चे पर तैयार की जाएगी।

ये एफएनजी नोएडा के छिजारसी से शुरू होकर मंगरौली तक जाएगी। छिजारसी के पीछे एनएच-9 पर एलिवेटड लूप बनाकर इसे गाजियाबाद से जोड़ा जाएगा। इसको लेकर एनएचएआई से बातचीत की जाएगी। छिजारसी कट से आगे 650 मीटर का एलिवेटड ट्रैक बनाया जाएगा। ये एलिवेटड छिजारसी से बहोलपुर अंडरपास के पास तक होगी। इसके बनाने में 700 करोड़ का खर्च आएगा। 11 साल पहले इसकी डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने की बात हुई थी।

खास ये है इस एलिवेटड को छिजारसी गांव के ऊपर से निकाला जाएगा। जिससे नीचे की आबादी को दिक्कत नहीं होगी। इसके आगे 14.610 के किमी पर एक एलिवेटड रोड प्रस्तावित है। ये रोड 5.65 किमी की होगी। ये रोड हिंडन नदी के पुश्ता से होकर बनाई जाएगी। इसके बाद नोएडा ग्रेटरनोएडा एक्सप्रेस वे पर एक अंडरपास बनेगा।

एक्सप्रेस वे का करीब 17 किमी हिस्से का 70 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है। ये एक्सप्रेस वे छिजारसी से नोएडा ग्रेटरनोएडा एक्सप्रेस वे को पार करता हुआ यमुना तक करीब 23 किमी का है। एक्सप्रेस वे गाजियाबाद के एनएच-24 को नोएडा के छिजारसी, बहलोलपुर, सोरखा, सेक्टर 112, 140, एक्सप्रेस-वे, सेक्टर-168 होकर फरीदाबाद के गांव लालपुर में आकर निकलेगा। ये पहला एक्सप्रेस वे होगा जो तीन एनसीआर के तीन ब ? शहरों को सीधे जोड़ेगा।

एक्सप्रेस वे पूरा बनने के बाद गाजियाबाद से फरीदाबाद जाने के लिए दिल्ली नहीं जाना होगा।

गाजियाबाद और नोएडा से न केवल फरीदाबाद जाना आसान होगा, बल्कि गुरुग्राम जाने का नया विकल्प मिलेगा। एफएनजी एक्सप्रेस-वे नोएडा, ग्रेनो वेस्ट, ग्रेटर फरीदाबाद के लिहाज से लाइफलाइन से कम नहीं होगा। इससे कालिंदी कुंज, नोएडा के मास्टर प्लान सड़क पर ट्रैफिक भार होगा कम।

उत्तर मध्य रेलवे

Letter No:- DRM/C/AGRAI/NFR/E-AUCTION Dated:- 25.10.2024

ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि० मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक-आगरा द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार **ई-नीलामी** आमंत्रित की गयी है, विवरण निम्न प्रकार है:-

श्रेणी : Misc Static Services	केटलॉग संख्या : EVC-AGRA- 24-03

एसेट्स डिटेल्स : आगरा छावनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया पर इलेक्ट्रिक व्हीकल (ई.वी.) चार्जिंग स्टेशन का ठेका

ई नीलामी प्रारम्भ होने की दिनांक एवं समय : दिनांक - 11.11.2024 **समय** - 11:00

ई नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय : दिनांक - 11.11.2024 **समय** - 11:30

नोटः- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाईन वेबसाइट- **www.ireps.gov.in** के **E-Auction Module** के माध्यम से की जायेगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अन्तर्गत उपलब्ध है। **1874/24(AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

अजमेर रेलवे स्टेशन से बुजुर्ग महिला लापता

अजमेर। अजमेर रेलवे स्टेशन के बाहर से एक बुजुर्ग महिला लापता हो गई। महिला भवानी खेड़ा हरियाणा की रहने वाली बताई जा रही है। महिला के परिजन ने थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुटी है। थाना प्रभारी ने बताया कि 26 अक्टूबर दोपहर को रेलवे स्टेशन के बाहर से भवानी खेड़ा निवासी शकुंतला देवी (60) अपने परिवार से बिछड़ गई। परिजनों ने हर जगह तलाश किया लेकिन वह नहीं मिली। परिजन ने उनके लापता होने की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और महिला की तलाश में जुट गई है।

सीजेआई आज केदार बाबा व बद्रीविशाल के करेंगे दर्शन

गुप्तकाशी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति डॉ धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ मंगलवार को केदारनाथ और बद्रीविशाल के दर्शन के लिए दोनों धाम जाएंगे। जानकारी के अनुसार न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ 29 अक्टूबर (मंगलवार) को प्रातः 9:10 बजे जीटीसी हैलीपेड देहरादून से प्रस्थान कर प्रातः 9:40 बजे केदारनाथ धाम पहुंचेंगे। केदारनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना व दर्शन के बाद मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ वहां से प्रातः 11:15 बजे बद्रीनाथ धाम हैलीपेड चमोली के लिए प्रस्थान करेंगे।

प्रदूषण नियंत्रण मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमर प्रकाश सावंत निलंबित

रायपुर। प्रदूषण नियंत्रण मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमर प्रकाश सावंत को निलंबित कर दिया गया है। यह आदेश छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव द्वारा आज सोमवार को जारी किया है। निलंबन आदेश में हालांकि, निलंबन का कारण प्रशासनिक बताया गया है। बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने रायपुर शहर में दिवाली पर पटाखे के संबंध में बिना मंत्री की अनुमति लिए होर्डिंग्स लगवा दिए थे। होर्डिंग्स में मंत्री ओपी के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भी फोटो थी। सरकार ने सक्षम अनुमति के बिना होर्डिंग्स लगाने को सरकारी मुलाजिम का मनमानापूर्ण व्यवहार करार देते हुए सावंत के खिलाफ कार्रवाई किया गया है।

श्री पंच मंदिर समिति गंगोत्री के कार्यकारिणी का गठन

उत्तरकाशी। मजिस्ट्रेट नायाब तहसीलदार भटवाड़ी की अध्यक्षता में गंगोत्री तीर्थ धाम में सोमवार को एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें श्री पंच मंदिर समिति गंगोत्री के कार्यकारिणी का गठन किया गया। नयी कार्यकारिणी में अध्यक्ष धमार्नंद सेमवाल, सचिव पद पर पुनः सुरेश सेमवाल, उपाध्यक्ष अनुज सेमवाल, कोषाध्यक्ष सुशील सेमवाल, सह सचिव जय कृष्ण सेमवाल, सदस्य चंडी प्रसाद सेमवाल सतीश सेमवाल ,अभिषेक सेमवाल, संतोष सेमवाल, प्रेमदेव सेमवाल, प्रदीप सेमवाल, सुनील सेमवाल,सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया है। उल्लेखनीय श्री पंच मंदिर समिति गंगोत्री के कार्यकारिणी का गठन हर तीन वर्ष बाद होता है।

पराली जलाने पर केस दर्ज होने से खफा किसानों ने किया प्रदर्शन

फतेहाबाद। पराली जलाने के नाम पर किसानों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने, मण्डियों में फसलों की हो रही लूट के खिलाफ और डीएपी की कमी दूर करने की मांग को लेकर किसानों ने सोमवार को अखिल भारतीय किसान सभा के आह्वान पर उपायुक्त कार्यालय पर धरना दिया। धरने पर बैठे किसानों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रोष जताया। धरने की अध्यक्षता किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत शर्मा ने की। धरने के बाद प्रदर्शन करते हुए किसान उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और डीसी को मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र सौंपा।

सी-295 फैक्टरी नए भारत की नई कार्य संस्कृति को दर्शाती है : प्रधानमंत्री मोदी

- यह फैक्टरी भारत-स्पेन संबंधों को मजबूती देने के साथ ही मेक इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड मिशन को भी सशक्त करने वाली है।
- दो साल पहले अक्टूबर में इस कारखाने का निर्माण शुरू हुआ था। आज उसी महीने में यह विमान के उत्पादन के लिए तैयार है

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के वडोदरा में स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज के साथ संयुक्त रूप से टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) परिसर में सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सी 295 विमान का कारखाना नए भारत की नई कार्य संस्कृति को दर्शाता है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मेरे मित्र पेड्रो सांचेज की ये पहली भारत यात्रा है। आज से हम भारत और स्पेन की पार्टनरशिप को नई दिशा दे रहे हैं। हम सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के प्रोडक्शन की फैक्टरी का उद्घाटन कर रहे हैं। यह फैक्टरी भारत-स्पेन संबंधों को मजबूती देने के साथ ही मेक इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड मिशन को भी सशक्त करने वाली है। उन्होंने कहा कि सी 295 विमान का कारखाना नए भारत की नई कार्य संस्कृति को दर्शाता है। दो साल पहले अक्टूबर में इस कारखाने का निर्माण शुरू हुआ था। आज उसी महीने में यह विमान के उत्पादन के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने प्लानिंग और एग्जीक्यूशन में अनावश्यक देरी नहीं होने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस फैक्टरी को रिकार्ड समय में उत्पादन के लिए तैयार किया गया है। यहां बने विमान को दूसरे देशों को भी भेजा जाएगा।

छठ पर्व को लेकर कटिहार-मनिहारी और वैष्णो देवी के लिए विशेष ट्रेन

एजेंसी

कटिहार। आगामी छठ महापर्व के अवसर पर एनएफ रेलवे ने यात्रियों के लिए विशेष तैयारी की है। कटिहार रेलमंडल ने कटिहार-मनिहारी के बीच एक जोड़ी अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन का परिचालन शुरू किया है। इसके अलावा, श्री माता वैष्णो देवी कटरा और कामाख्या के बीच भी विशेष ट्रेन सेवा शुरू की गई है, जो भाया कटिहार होकर गुजरेगी। कटिहार रेलमंडल के पीआरओ सह सीनियर डीसीएम धीरज चंद कलिता ने सोमवार को बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए रेल प्रशासन द्वारा कई फेस्टिव स्पेशल ट्रेन का परिचालन विभिन्न रूटों में किया जा रहा है। इन ट्रेनों में यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जिनमें फर्स्ट एसी, सेकंड एसी, थर्ड एसी, इकोनामी, और स्लीपर बोगी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कटिहार-मनिहारी के बीच चलने वाली विशेष ट्रेन 26 अक्टूबर से 19 नवंबर तक

प्रत्येक दिन 25 ट्रिप अप-डाउन में चलेगी। इसमें कुल 8 बोगी लगाई गई हैं, जो कटिहार से रात्रि 20:30 बजे खुलकर निर्धारित स्टेशनों पर रुकते हुए मनिहारी 21:30 बजे पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन मनिहारी से सुबह 5:00 बजे खुलकर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 6:00 बजे कटिहार पहुंचेगी। इसके अलावा, श्री माता वैष्णो देवी कटरा और कामाख्या के बीच चलने वाली ट्रेन 28 अक्टूबर और 2 नवंबर को श्री माता वैष्णो देवी कटरा से परिचालित होकर कामाख्या तक जाएगी।

स्वामी विवेकानन्द ने पूरे विश्व में हिन्दुत्व को ऊपर उठायाः डॉ. रमेश चन्द्र यादव

- स्वामी विवेकानन्द और अन्य समाज सुधारकों में अन्तर स्पष्ट दिखाई पड़ता है

एजेंसी

मुरादाबाद। अध्यात्म ज्ञान एवं चिन्तन संस्था की 174 वीं मासिक ब्रह्मज्ञान विचार गोष्ठी का आयोजन सोमवार को मुरादाबाद इंस्टीट्यूट टेक्नोलॉजी (एमआईटी) सभागार में किया गया। इसका विषय था स्वामी विवेकानन्द द्वारा विश्व धर्म संसद में समग्र हिन्दुत्व का यशोगान। डॉ. रमेश चन्द्र यादव कृष्ण ने बताया कि स्वामी विवेकानन्द ने पूरे विश्व में हिन्दुत्व को ऊपर उठाया है। डॉ. यादव ने आगे कहा कि स्वामी विवेकानन्द के बारे में रवीन्द्रनाथ ठाकुर, राजगोपालाचारी, लोकनायक जयप्रकाश नारायण तथा डॉ. रामधारी सिंह दिनकर के साथ-साथ नेताजी सुभाष चन्द्र बोस तथा योगी अरविन्द ने भी मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। केवल 39 वर्ष के अपने संक्षिप्त जीवन काल में उन्होंने जनमानस में नई चेतना और नई आशा जगाने की दिशा में बहुत कुछ किया है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द और अन्य समाज सुधारकों में अन्तर स्पष्ट दिखाई पड़ता है। ब्रह्म समाज और आर्य समाज दोनों ही हिन्दुत्व के उद्धार के लिए प्रयत्नशील रहे हैं लेकिन इन आंदोलनों में एक दोष यह था कि वे सम्पूर्ण हिन्दुत्व की रक्षा के समर्थक नहीं थे। महर्षि दयानन्द ने उतने ही हिन्दुत्व को रक्षणीय माना जिसका आख्यान वेदों में मिलता है अर्थात जिसमें मूर्तिपूजा नहीं है, जिसमें तीर्थ-व्रत-अनुष्ठान-श्राद्ध आदि तथा अवतारवाद, देवी-देवता, स्वर्ग-नरक को नहीं माना गया है।

मौसम विभाग ने कश्मीर घाटी में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई

श्रीनगर। मौसम विभाग ने सोमवार को अगले 24 घंटों के दौरान कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अधिकारी ने कहा कि आज मौसम सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ इलाकों खासकर शाम के समय उत्तरी कश्मीर के ऊंचे इलाकों में हल्की बारिश और हल्की बर्फबारी की संभावना। इसमें कहा गया है कि 29 अक्टूबर को सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे और उत्तर और मध्य कश्मीर के ऊंचे इलाकों में हल्की बारिश व हल्की बर्फबारी की संभावना है।

दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध सख्ती से लागू हो, पर्यावरण मंत्री ने एलजी को लिखा पत्र

- दिल्ली में पटाखों का उत्पादन, भंडारण और वितरण किया जा रहा है

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रदूषण की रोकथाम के लिए दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। हालांकि, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय का दावा है कि दिल्ली में पटाखों का उत्पादन, भंडारण और वितरण किया जा रहा है। अब गोपाल राय ने उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना को पत्र लिखकर राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों पर लागू प्रतिबंधों का उल्लंघन किए जाने पर कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। गोपाल राय ने सोमवार को उपराज्यपाल को लिखे पत्र में कहा है, ₹मेरे संज्ञान में लाया गया है कि प्रतिबंध के बावजूद दिल्ली के विभिन्न बाजारों में पटाखे खुलेआम बेचे जा रहे हैं। ये पटाखे दिल्ली को हरियाणा और उत्तर प्रदेश से जोड़ने वाली विभिन्न सीमाओं के जरिए लाए जा रहे हैं। प्रदूषण पर लगाम लगाने के इरादे से पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने 14 अक्टूबर को शहर में 1 जनवरी तक पटाखों के उत्पादन, भंडारण, वितरण और उपयोग पर रोक लगाने की घोषणा की थी। पत्र में आगे लिखा गया है, ₹कानून प्रवर्तन एजेंसियों के रूप में दिल्ली पुलिस ने पटाखों पर प्रतिबंध लगाने के निदेर्शों को गंभीरता से नहीं लिया है। विक्रेता खुलेआम लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन कर रहे हैं।

कनाडा में पढ़ते हैं भारत के 2.30 लाख छात्र

- ब्रिटेन को फीस से मिलते हैं 2.10 लाख करोड़

एजेंसी

कनाडा। कनाडा में भारत के 2.30 लाख छात्र पढ़ाई करने के लिए वहां पर हैं। भारतीय छात्रों द्वारा 2.10 लाख करोड रुपए की फीस कनाडा के कॉलेज और विश्वविद्यालयों में अदा की जाती है। इसके अलावा जो छात्र वहां पढ़ने के लिए जाते हैं। वह अपने पार्ट टाइम जॉब, रहने की किराए और ट्रांसपोर्टेशन में बहुत बड़ी राशि कनाडा में खर्च करते हैं। कनाड़ा के 100 कॉलेज भारतीय छात्रों की दम पर चल रहे हैं। कनाडा की 20% अर्थव्यवस्था भारतीय छात्रों के कारण है। कनाडा एंप्लॉयमेंट सर्विस 2023 की रिपोर्ट के अनुसार 2.10 लाख भारतीय छात्र कनाडा में पार्ट टाइम काम भी कर रहे हैं। कनाडा में प्रवासी छात्रों मे सबसे ज्यादा संख्या भारतीय छात्रों की है। भारतीय मूल के 28 फीसदी लोग आईटी के क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

कनाडा में भारतीयों का निवेश

2023 तक भारतीय कंपनियों ने कनाडा में लगभग 45000 करोड रुपए का निवेश किया था। इसमें सबसे ज्यादा निवेश आईटी सेक्टर में है। कनाडा के कई उद्योगपतियों ने भारतीय कंपनियों के साथ कई अनुबंध किये हैं। ऐसी स्थिति में यदि कनाडा और भारत के कोई संबंध बिगड़ते हैं, तो कनाडा को इसका ज्यादा नुकसान होगा। ऐसा आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है।

पाक में चिकनगुनिया का कहर, अस्पतालों में पैर रखने की जगह

- प्रमुख अस्पतालों में हर दिन 500 से 750 नए मरीजों का किया जा रहा है इलाज

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची शहर में चिकनगुनिया वायरस का प्रकोप तेज हो गया है, जिससे शहर के सरकारी अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। हालात इतने खराब हैं कि प्रमुख अस्पतालों में हर दिन 500 से 750 नए मरीजों का इलाज किया जा रहा है। चिकनगुनिया, जो एडीज एजिप्टी मच्छरों के काटने से फैलता है, ने पहले से ही लचर स्वास्थ्य प्रणाली को और कमजोर कर दिया है। मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पतालों में फर्श पर इलाज करने की नौबत आ गई है। चिकनगुनिया एक वायरल बीमारी है, जिसका नाम तंजानिया और मोजाम्बिक की किमाकोंडे भाषा के एक शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ विकृत हो जाना है। हाल के महीनों में बुजुर्गों और मधुमेह के मरीजों में इस बीमारी के गंभीर मामले सामने आए हैं, जिससे कई मरीज लकवा और कुछ कोमा में चले गए हैं। इसके साथ ही हृदय और आंखों संबंधी बीमारियों के लक्षण भी देखे जा रहे हैं। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार मई से सितंबर के बीच कराची में 172 मरीजों का पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) टेस्ट पॉजिटिव आया है। हालांकि, असली मामले इससे कहीं ज्यादा हो सकते हैं।

बांग्लादेश की औद्योगिक त्रासदी में 1,135 लोगों की मौत

- केस में जेल में ही रहना होगा उद्योगपति सोहेल राणा को

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में हृदयविदारक औद्योगिक त्रासदी के आरोपित उद्योगपति सोहेल राणा को फिलहाल जेल में ही रहना होगा। सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन की तीन सदस्यी पीठ के आज के आदेश से राणा की अंतरिम जमानत पर रिहाई की उम्मीद खत्म हो गई। सोहेल राणा बांग्लादेश की मशहूर कपड़ा फैक्टरी 'राणा प्लाजा' का मालिक है। 24 अप्रैल, 2013 को सावर में राणा प्लाजा की नौ मंजिला इमारत ढह गई थी। इस भयावह हादसे में कम से कम 1,135 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर कपड़ा श्रमिक थे और 2,500 से अधिक अन्य घायल हो गए थे। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार की खबर में सोहेल के वकील मोहम्मद शिशिर मनीर के हवाले से कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट की अपीलीय डिवीजन ने आज अपने चैंबर जज के 2 अक्टूबर के आदेश को बढ़ा दिया। इस आदेश में सोहेल राणा को अंतरिम जमानत देने के हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से केस को दो महीने में निपटाने को कहा है।

अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में स्कॉलरशिप पर 64 हजार पाकिस्तानी छात्र बना रहे बेहतर भविष्य

एजेंसी

लंदन। अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में स्कॉलरशिप किसी भी छात्र का सपना होता है जो उसके भविष्य को बेहतर बना सकता है। वर्तमान में करीब 64,000 से अधिक पाकिस्तानी छात्र दुनिया के कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा पा रहे हैं, इतना ही नहीं यह संख्या हर साल बढ़ रही है। पाकिस्तानी छात्रों को सबसे अधिक अमेरिका, फिर ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया की प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों से विशेष स्कॉलरशिप्स की पेशकश होती है। कई पाकिस्तानी छात्र इन स्कॉलरशिप्स को पाने की क्षमता और योग्यता रखते हैं, लेकिन उचित तरीके और जानकारी की कमी के कारण वे सही तरीके से आवेदन नहीं कर पाते । कुछ ऐसी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों की प्रमाणित जानकारी एकत्र की गई है, जो विशेष रूप से पाकिस्तानी छात्रों को स्कॉलरशिप्स देती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए विशेष स्कॉलरशिप देती है। यहां एक से अधिक स्कॉलरशिप प्रोग्राम हैं, और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय पाकिस्तानी छात्रों को भी स्कॉलरशिप्स प्रदान करता है जो केवल पाकिस्तानी छात्रों के लिए होती हैं। ये स्कॉलरशिप ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय अपने कार्यक्रम ह्लद ऑक्सफोर्ड पाकिस्तान प्रोग्रामह्व के तहत देती है, इसमें कई नामी पाकिस्तानी व्यक्ति भी लाभान्वित हो चुके हैं। द यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन ब्रिटेन के एक और विश्वविद्यालय, द यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन, रैंकिंग में ब्रिटेन की 11वीं और दुनिया का 80वीं सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय है।

उत्तरी गाजा में इजराइली हमलों में 22 लोगों की मौतः फलस्तीनी अधिकारी

एजेंसी

गाजा। उत्तरी गाजा पर इजराइल के हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है, जिसमें 11 महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शनिवार रात बेत लाहिया में हुई, जहां कई मकानों और इमारतों पर हवाई हमले किए गए। उत्तरी गाजा में इजराइल के हमले तीसरे सप्ताह भी जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय आपदा की स्थिति बन गई है। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उसने चरमपंथियों पर हमला किया और नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाए। हालाँकि, उसने हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं की और मीडिया द्वारा प्रकाशित आंकड़ों को गलत बताया। इस बीच, उत्तरी तेल अविव में एक ट्रक ने बस स्टॉप से टकराकर कई लोगों को घायल कर दिया, जिसकी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। गाजा में जारी संघर्ष के कारण हाल के महीनों में विस्थापन की लहर तेज हो गई है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हजारों फलस्तीनी गाजा सिटी छोड़ने को मजबूर हुए हैं। इजराइल लगातार हवाई और जमीनी हमले कर रहा है, जबकि लेबनान में हिजबुल्ला के साथ भी संघर्ष जारी है। इजराइल ने हाल ही में ईरान पर हवाई हमले किए हैं, जिसका दावा किया गया है कि यह ईरान द्वारा इजराइल पर दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों का जवाब है। ईरान के नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस हमले को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने ईरानी लोगों की इच्छशक्ति और ताकत के बारे में इजराइली शासन को समझाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस संकट के दौरान, रेड क्रॉस ने उत्तरी गाजा की स्थिति को भयावह बताया है। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमला किया था, जिसमें लगभग 1,200 इजराइलियों की हत्या की गई थी, जबकि इजराइल की जवाबी कार्रवाई में 42,000 फलस्तीनी मारे गए हैं।

500 फीट आकार का एस्टेरॉयड धरती के करीब से गुजरेगा, नासा ने किया अलर्ट

- विशेषज्ञों का मानना यदि धरती से टकराया तो मच सकती बड़ी तबाही

एजेंसी

वॉशिंगटन। नासा ने चेतावनी दी है कि एक विशालकाय एस्टेरॉयड 28 अक्टूबर यानी सोमवार को धरती के बहुत करीब से गुजरेगा। इस खगोलीय पिंड को एस्टेरॉयड 2020 डब्ल्यूजी का नाम दिया गया है, जिसका आकार 500 फीट का है। यह एस्टेरॉयड करीब 33,947 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंतरिक्ष में सफर कर रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि यह क्षुद्रग्रह धरती के पास बिंदु पर करीब 33.3 लाख किलोमीटर की दूरी से गुजरेगा। 2020 डब्ल्यूजी को खतरनाक एस्टेरॉयड माना जा रहा है, जिसका मतलब है कि यह धरती के पास आते ही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। हालांकि इस दूरी के कारण इस बार किसी गंभीर खतरे की आशंका नहीं है। नासा विशेषज्ञ टीम हर गतिविधि पर नजर रखे हुए है, ताकि समय रहते जरूरी कदम उठाए जा सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि इस आकार का एस्टेरॉयड, यदि धरती से टकराता है, तो यह बड़ी तबाही ला सकता है। इसके टकराने से लाखों टन टीएनटी के बराबर ऊर्जा निकल सकती है, जो धरती के एक बड़े हिस्से पर असर डाल सकती है।

ऐसे खगोलीय पिंडों पर नजर रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि इनकी टक्कर से बड़ी तबाही मच सकती है। हाल ही में 26 अक्टूबर को एक अन्य एस्टेरॉयड 2024 टीबी2 भी पृथ्वी के पास से गुजरा था। यह एस्टेरॉयड हवाई जहाज के आकार का था, जो पृथ्वी से केवल 11,764 किलोमीटर की दूरी पर था। इसके बावजूद वैज्ञानिकों ने उम्मीद जताई थी कि यह चंद्रमा की कक्षा से आगे निकल जाएगा और यह अनुमान सही साबित भी हुआ। भविष्य में इस प्रकार के खतरों को कम करने और संभावित आपदाओं से निपटने के लिए नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियां काम कर रही हैं।

अमेरिका में लोकतंत्र खतरे में, सर्वेक्षण में तीन-चौथाई मतदाताओं का दावा

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। कई अखबार और चुनाव सर्वेक्षण एजेंसिया मतदाताओं का मन टटोलने की कोशिश कर रहे हैं। इस संबंध में अमेरिका के प्रमुख अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएन कॉलज ने भी संयुक्त रूप से सर्वेक्षण किया है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, तीन-चौथाई मतदाताओं ने कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स-सिएना कॉलेज के इस सर्वेक्षण के अनुसार, सभी अमेरिकी मतदाताओं में से लगभग आधे का मानना है कि अमेरिकी लोकतंत्र आम लोगों का प्रतिनिधित्व करने का अच्छा काम नहीं कर रहा। तीन-चौथाई मतदाताओं का कहना है कि लोकतंत्र खतरे में है। अखबार इस मत का विश्लेषण करते हुए कहता है कि यह धारणा पक्षपातपूर्ण झुकाव के आधार पर व्यापक रूप से भिन्न है। अधिकांश मतदाताओं का मानना है कि देश भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। इस सर्वेक्षण के विश्लेषण में कहा गया है कि लगभग 250 साल पुरानी अमेरिकी सरकार प्रणाली में विश्वास कम होने की वजह चार साल की अभूतपूर्व चुनौतियां हैं।

खास खबर

यूएसए क्रिकेट ने स्टुअर्ट लॉ को मुख्य कोच के पद से हटाया

वाशिंगटन डीसी । यूएसए क्रिकेट ने रविवार को स्टुअर्ट लॉ को राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद से हटा दिया है। यह निर्णय यूएसए के आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 अभियान से एक दिन पहले आया। लॉ का कार्यकाल अप्रैल में शुरू हुआ और सात महीने से कुछ अधिक समय तक चला, उनके कार्यकाल में टीम टी20 विश्व कप सुपर-आठ चरण में अपने इतिहास में पहली बार आगे बढ़ी। वेस्टइंडीज के साथ संयुक्त रूप से आयोजित टूर्नामेंट में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने समूह में कनाडा और पाकिस्तान को हराकर अगले चरण में प्रवेश किया। टीम ने बांग्लादेश को टी20आई श्रृंखला में भी हराया। एक प्रेस विज्ञप्ति में यूएसए क्रिकेट के अध्यक्ष वेणु पिसिके ने कहा, ₹हम स्टुअर्ट को उनके कार्यकाल के दौरान यूएसए क्रिकेट में उनके योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं। हम उनके भविष्य के प्रयासों में सफलता की कामना करते हैं। नौ मैचों में छह जीत के साथ, यूएसए वर्तमान में क्रिकेट विश्व कप लीग 2 अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और 2027 के वनडे विश्व कप में जगह बनाने का लक्ष्य बना रहा है।

बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने सोमवार को बहुप्रतीक्षित बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पुनर्गठित 18 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 11 से 20 नवंबर तक बिहार के नव-विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल रांची में हुए संस्करण में खिताब जीतने के बाद, गत चैंपियन के रूप में भारत उच्च उम्मीदों के साथ प्रतियोगिता में प्रवेश कर रहा है। महाद्वीपीय वर्चस्व की लड़ाई में टीम को मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित पांच अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे होंगी, जबकि नवनीत कौर उनकी डिप्टी होंगी। उनके नेतृत्व में, भारत का लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना है। टीम के चयन और टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की तैयारी पर मिडफील्डर और कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, ₹एक और प्रमुख टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करना एक अविश्वसनीय एहसास है, खासकर गत विजेता के रूप में। हमने कठोर प्रशिक्षण लिया है और हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं दोनों के साथ एक मजबूत इकाई है। हमारा लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना और उसी जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ खेलना है जो हमने पिछले साल दिखाया था। इस बीच, उप-कप्तान नवनीत कौर ने कहा, ₹हमें अपनी तैयारी और टीम के भीतर बनी केमिस्ट्री पर भरोसा है।

नेपाल ने भारत को सैफ महिला चैंपियनशिप 2024 से किया बाहर

नई दिल्ली । भारत रविवार को दशरथ स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में पेनल्टी शूटआउट में नेपाल से 2-4 से हारकर सैफ महिला चैंपियनशिप 2024 से बाहर हो गया। नेपाल फाइनल में बांग्लादेश से खेलेगा, जिसने पहले दिन दूसरे सेमीफाइनल में भूटान को 7-1 से हराया था। खचाखच भरे स्टेडियम में खेले गए इस मैच में, नियमित समय समाप्त होने के बाद शूट-आउट का सहारा लिया गया, जो 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। मैच में मैदान के अंदर से ज्यादा बाहर का ड्रामा देखने को मिला। 62वें मिनट में संगीता बासफोर के शानदार शॉट की बदौलत भारत ने बढ़त हासिल कर ली और इसके बाद नेपाल ने ₹बराबरी₹ का गोल दागा, जिसे रेफरी ने नकार दिया। इसके बाद मैच 70 मिनट से अधिक समय तक रुका रहा, क्योंकि मेजबान टीम ने रेफरी के फैसले का विरोध करना शुरू कर दिया। भूटान के रेफरी ओम चोकी ने एक घंटे से अधिक समय तक धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा की और पर्यवेक्षण अधिकारियों तथा नेपाल टीम के बीच चर्चा के बाद मैच पुनः शुरू हुआ।

अफगानिस्तान नें इमर्जिंग एशिया कप में श्रीलंका को हराया

एजेंसी

ओमान । अफगानिस्तान-ए ने पहली बार इमर्जिंग एशिया कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने रविवार को अल अमीरात स्टेडियम में खेले गए फाइनल में श्रीलंका-ए को 7 विकेट से हराया। अफगानिस्तान क्रिकेट की यह ऐतिहासिक जीत है। टीम का क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट या ऐज ग्रुप टूर्नामेंट में यह पहला खिताब है। अफगानिस्तान-ए की टीम ने साल 2017 और 2019 में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। इस बार वह पहली बार फाइनल में पहुंचे और खिताब भी जीत लिया। मैच में श्रीलंका के कप्तान नुवानिदु फर्नांडो ने टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला लिया। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले खेलते हुए श्रीलंका ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन बनाए और

अफगानिस्तान की टीम को जीत के लिए 134 रन का टारगेट दिया। जवाब में अफगानिस्तान ने 18.1 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। अफगानिस्तान के लिए सेदिकुल्लाह अटल ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने इस टूर्नामेंट के सभी 5 मैचों में अर्धशतक लगाए। अफगानिस्तान में जीत का जश्न अफगानिस्तान ने पहली कठउ ट्रॉफी जीती है। टीम ने एमर्जिन एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को हराया। अफगानिस्तान ने पहली कठउ ट्रॉफी जीती है। टीम ने एमर्जिन एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को हराया। काबुल में बड़ी संख्या में फैंस एकत्रित हुए और जीत का जश्न मनाया। काबुल में बड़ी संख्या में फैंस एकत्रित हुए और जीत का जश्न मनाया। काबुल के एक चौराहे में देर रात तक सेलिब्रेशन चलता रहा। काबुल के एक चौराहे में देर रात तक सेलिब्रेशन चलता रहा। सेदिकुल्लाह की नॉटआउट हाफ सेंचुरी अफगानिस्तान के लिए सेदिकुल्लाह अटल नाबाद 55 रन बनाए। करीम जनत ने 33 रन की पारी खेली। मोहम्मद इशाक ने नाबाद 16 रन बनाए। सहान अराचिगे, दुशान हेमंथा और ईशान मलिंगा को 1-1 विकेट मिला। सहान ने नाबाद 64 रन बनाए। श्रीलंका-ए की शुरूआत काफी खराब रही और इस टीम के 4 विकेट सिर्फ 15 रन के स्कोर पर गिर गए। यहां से सहान अराचिगे ने टीम के लिए अहम पारी खेली। उन्होंने अर्धशतक लगाया। वे 47 बॉल पर 64 रन बनाए। पवन रत्नायके ने 20 रन का योगदान दिया। निमेश विमुक्ति ने भी 23 रन की पारी खेली। अफगानिस्तान-ए के लिए बिलाल सामी ने 3 जबकि अल्लाह गजनफर ने 2 सफलता हासिल की। सेमीफाइनल में भारत को हराकर फाइनल में पहुंचा था अफगानिस्तान अफगानिस्तान की टीम ने भारत को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। जबकि श्रीलंका ने पाकिस्तान की टीम को हराकर फाइनल का सफर तय किया था।

पाकिस्तान और श्रीलंका ने दो-दो खिताब जीते

ACC मेंस इमर्जिंग एशिया कप का यह छठा सीजन रहा। पाकिस्तान और श्रीलंका ने दो-दो खिताब जीते हैं। वहीं एक बार भारत ने जीता है। भारत ने 2013 में पाकिस्तान को हराकर टाइटल जीता था।

दक्षिण कोरिया ने अंडर-17 एशियाई कप फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

एजेंसी

डालियान । दक्षिण कोरिया ने रविवार को चीन के साथ 2-2 से ड्रा खेलकर अपने क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर अंडर-17 एशियाई कप फाइनल में स्थान सुनिश्चित कर लिया। ग्रुप सी के अंतिम गेम में स्थानापन्न ली जी-हो ने 87वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर दक्षिण कोरिया को बराबरी दिलाई। दक्षिण कोरिया और चीन दोनों ने अपने क्वालीफाइंग अभियान को तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ समाप्त किया, जिसमें दक्षिण कोरिया अपने बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर रहा। अन्य समूहों के खेल समाप्त होने के बाद ही चीन को पता चलेगा कि वे पाँच सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान वाली टीमों में से एक के रूप में फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं या नहीं। दक्षिण कोरिया ने मैच में आक्रामक शुरूआत की और नौवें मिनट में ही स्ट्राइकर जून मिन-सुंग ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। चीन के मिडफील्डर याओ जुन्यू ने 45वें मिनट में कोरियाई रक्षा पंक्ति को तोड़कर स्कोर बराबर कर दिया।

मेरे परिवार ने मेरे लिए बहुत कुछ किया, वे एक अच्छी जिंदगी जिएं : देवांक

एजेंसी

हैदराबाद । प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 में कुछ बहुत ही प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिले हैं जो थीम पर फिट बैठते हैं। सीजन के शुरूआती हिस्से में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में से एक पटना पाइरेट्स के युवा रेडर देवांक दलाल रहे हैं, जिन्होंने सभी को अपनी प्रतिभा पर ध्यान देने के लिए मजबूर कर दिया। हरियाणा के रोहतक से आने वाले युवा देवांक ने हैदराबाद की भीड़ को अपना नाम जपने पर मजबूर कर दिया, जब उन्होंने अकेले ही पटना पाइरेट्स को तमिल थलाइवाज के खिलाफ एक असंभव जीत दिलाई। यह पटना पाइरेट्स की सीजन की पहली

जीत थी, और देवांक ने 25 अंक बनाए क्योंकि वे पीछे से आए और जीत हासिल की, जो वास्तव में हार के मुंह से निकली थी। देवांक ने कहा, यह सब टीम के बारे में था और मैं सोच रहा था कि पटना पाइरेट्स के लिए मैट पर किसी न किसी को आगे आना चाहिए। उस दिन, तमिल थलाइवाज के खिलाफ, यह मेरा दिन था और दूसरे दिन, कोई और खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेगा। लेकिन, हमारे लिए एक साथ खेलना महत्वपूर्ण है और इसी तरह हम खेल जीत सकते हैं। देवांक के लिए, एकमात्र ध्यान यह सुनिश्चित करना है कि पटना पाइरेट्स पीकेएल सीजन 11 में अच्छा प्रदर्शन करे। उन्होंने कहा, ₹मेरे साथी, कप्तान शुभम शिंदे, मुझे आगे बढ़ने और अंक हासिल करने का आत्मविश्वास देते रहे। मुझे पटना पाइरेट्स में टीम प्रबंधन से बहुत समर्थन मिला है और मैं हर अवसर का लाभ उठाना चाहता हूं। हालांकि, जब उनके व्यक्तिगत लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं का विषय सामने आया, तो दृढ़ निश्चयी देवांक ने बताया, जब मैं नौवें सीजन में जयपुर पिंक पैंथर्स में था, तो मेरी शर्ट पर एक स्टार था ।

पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

मार्श को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए आराम

एजेंसी

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया को पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टी-20 श्रृंखला के लिए नया कप्तान मिलेगा, क्योंकि उसके टेस्ट सितारे इस श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। यह श्रृंखला उसी सप्ताह समाप्त होगी, जिस सप्ताह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अभियान शुरू होगा। पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए जोश इंगलिस, एडम जाम्पा और मैट शॉर्ट को टीम में शामिल किया गया है। ब्रिसबेन, सिडनी और होबार्ट में होने वाले मैचों के लिए 13 सदस्यीय टीम में टेस्ट टीम के किसी भी मौजूदा खिलाड़ी को नहीं चुना गया है।

हालांकि, कि के ट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि चुने गए क ु छ खिलाड़ी 18 नवंबर को बेलरिव ओवल में होने वाले अंतिम टी-20 मैच के बाद पर्थ में भारत के खिलाफ होने वाले सीरीज के पहले मैच के लिए टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं। सितंबर में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के व्हाइट-बॉल दौरे से पहले या उसके दौरान लगी चोटों के बाद तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस और स्पेंसर जॉनसन टीम में वापस आ गए हैं। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, जेवियर, स्पेंसर और नाथन का राष्ट्रीय टीम में वापस आना विशेष रूप से उत्साहजनक है। यह उनके लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता दिखाने का एक और अवसर है, जैसा कि उन्होंने अतीत में किया है।

ऑस्ट्रेलिया की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमः

सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जाम्पा।

दिलजीत के कॉन्सर्ट के बाद कचरे से पटा दिल्ली का जेएलएन स्टेडियम

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत में खेलों के लिए पवित्र स्थल माना जाने वाला जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम हाल ही में पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ के दो दिवसीय ह्यादिल-लुमिनाती संगीत कार्यक्रम के बाद विवाद के केंद्र में आ गया, जब ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बेअंत सिंह ने कार्यक्रम स्थल की अव्यवस्था की तस्वीरें पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त की। सप्ताहांत में आयोजित इस कॉन्सर्ट में हर रात लगभग 35,000 प्रशंसक आए, लेकिन स्टेडियम, जो आमतौर पर खेलों के लिए आरक्षित होता है, कार्यक्रम के बाद गंदगी की स्थिति में छोड़ दिया गया। सिंह द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में, स्टेडियम का ट्रैक और फील्ड क्षेत्र कचरे, शराब के कंटेनरों और क्षतिग्रस्त एथलेटिक उपकरणों से अटा पड़ा था। सिंह ने इंस्टाग्राम पर साझा किया, ₹यह वह जगह है जहाँ एथलीट प्रशिक्षण लेते हैं, लेकिन यहाँ लोगों ने शराब पी और पार्टी की। इसके लिए स्टेडियम को कल तक के लिए बंद कर दिया गया था। एथलेटिक्स उपकरण तोड़कर किनारे फेंक दिए गए हैं। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम पंजाब एफसी, जो जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम को अपने घरेलू मैदान के रूप में भी इस्तेमाल करती है।

गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान के व्हाइट-बॉल कोच पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन सोमवार को पाकिस्तान की एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। कर्स्टन बमुश्किल पांच महीने तक इस पद पर रहे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा अप्रैल 2024 में दो साल के अनुबंध पर नियुक्त किए गए कर्स्टन अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के व्हाइट-बॉल दौरे से पहले अलग हो जाएंगे। टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम की कमान संभालेंगे। पीसीबी ने एक्स पर पोस्ट किया, ₹पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आज घोषणा की कि जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के व्हाइट-बॉल दौरे पर पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम के कोच होंगे, गैरी कर्स्टन ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी का पहला बड़ा काम वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी20 विश्व कप था, जो पाकिस्तान के ग्रुप स्टेज में बाहर होने के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने एक भी वनडे में पाकिस्तान को कोचिंग दिए बिना अपनी भूमिका छोड़ दी, जिस प्रारूप में उन्होंने अपनी सबसे बड़ी सफलता हासिल की है। 56 वर्षीय कर्स्टन ने 2011 में भारत को 50 ओवर के विश्व कप का खिताब दिलाया था।

सोफिया सिविंग, अरमान भाटिया ने जीता पिकलबॉल चैम्पियनशिप का खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली । तीसरी वरीयता प्राप्त सोफिया सिविंग ने रविवार को यहां डीएलटीए स्टेडियम में पीडब्ल्यूआर डीयूपीआर इंडिया मास्टर्स में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की काओ पेई चुआन को 11-3, 11-2 से हराकर पहला प्रो पिकलबॉल खिताब जीत लिया है। शुरूआत में दोनों खिलाड़ियों के अनिश्चित और जोखिम लेने के लिए तैयार न होने के कारण अमेरिकी खिलाड़ी को संघर्ष करना पड़ा, लेकिन काओ की गलतियों ने सिविंग को पहला अंक दिलाया। धीरे-धीरे लय में आकर सिविंग ने 2-0 से पिछड़ने के बाद स्कोर बराबर किया और फिर 3-2 की बढ़त ले ली, छोर बदलने से स्पष्ट रूप से थके हुए चुआन के संघर्ष को कम करने में कोई मदद नहीं मिली, सिविंग ने 5-0 की बढ़त हासिल कर ली और फिर सेट 11-3 से अपने नाम कर लिया।

गुजरात पर मिली जीत से टीम का आत्मविश्वास मजबूत हुआ : उपेंद्र मलिक

एजेंसी

हैदराबाद । हैदराबाद के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में पीकेएल सीजन 11 के रोमांचक मुकाबले में रविवार शाम यूपी योद्धा ने गुजरात जायंट्स पर 35-29 से जीत हासिल की, जिसमें भरत (13 अंक) और भवानी राजपूत (9 अंक) ने योद्धाओं के लिए बढ़त बनाई, जबकि राकेश ने जायंट्स के लिए 8 अंक हासिल किए। गुमान सिंह और सोमबीर के माध्यम से जायंट्स की मजबूत शुरूआत के बावजूद, योद्धाओं ने वापसी की और भवानी राजपूत की शुरूआती रेड के बाद गति प्राप्त की। खेल का टर्निंग पॉइंट हाफटाइम से ठीक पहले आया जब राकेश पर महेंद्र सिंह के सफल टैकल के परिणामस्वरूप ऑल आउट हो गया, जिससे ब्रेक तक योद्धाओं को 19-17 की बढ़त मिल गई, जिसे उन्होंने अंत तक बनाए रखा। सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने कहा, यह निस्संदेह हमारे द्वारा अब तक खेले गए चार मैचों में सबसे कठिन मैच था। हमारे खिलाड़ियों ने शुरू से लेकर आखिर तक दबाव की स्थितियों को जिस तरह से संभाला, वह उल्लेखनीय था। पहले ऑल-आउट के बाद भी, हमने तीन से चार अंकों की बढ़त बनाए रखी, जिसमें महत्वपूर्ण सुपर टैकल भी शामिल थे। मैच में जोरदार बैक-एंड-फॉरवर्ड एक्शन देखने को मिला, जिसमें गुजरात जायंट्स ने पहले हाफ में जितेंदर यादव के माध्यम से सुपर टैकल को अंजाम दिया। हालांकि, यूपी योद्धा ने तुरंत दो अंकों की बढ़त के साथ जवाब दिया। जायंट्स ने कुछ समय के लिए घाटे को मिटाने में कामयाबी हासिल की, लेकिन महेंद्र सिंह के निर्णायक टैकल ने योद्धा के पक्ष में मैच मोड़ दिया। सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने अंतिम क्षणों में अपनी बढ़त को बनाए रखने की टीम की क्षमता की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए कहा, ₹अंतिम मिनटों में बढ़त हासिल करना उतना ही चुनौतीपूर्ण हो सकता है जितना कि किसी का पीछा करना। टीम ने अपनी बढ़त को बनाए रखने में शानदार संयम दिखाया और साथ ही जरूरत पड़ने पर आक्रामक भी रही। कप्तान सुरेंदर गिल ने अपनी रेडिंग यूनिट में अनुकूलनशीलता के महत्व पर जोर दिया, उन्होंने कहा, जबकि अंतिम क्षण महत्वपूर्ण थे ।

बांग्लादेश टेस्ट टीम की कप्तानी संभालेगे ताइजुल इस्लाम

एजेंसी

चटगांव । बांग्लादेश के अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम जरूरत पड़ने पर टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं। उनसे टेस्ट टीम की कप्तानी के बारे में पूछा गया था, क्योंकि ऐसी खबरें थीं कि मौजूदा कप्तान नजमुल हुसैन शांतो घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही सीरीज के बाद कप्तानी जारी रखने के लिए तैयार नहीं हैं। बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट 29 अक्टूबर (मंगलवार) से शुरू होने वाला है। मेहमान टीम शुरूआती टेस्ट में सात विकेट से जीत दर्ज करके 1-0 से आगे चल रही है। बता दें कि शांतो ने सीरीज के बाद कप्तानी छोड़ने की इच्छा जताई थी। इस बारे में पूछे जाने पर, एक दशक से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे अनुभवी ताइजुल ने शांतो के बारे में ऐसी किसी भी बात को सुनने से इनकार किया, लेकिन स्टाफ

किया कि जरूरत पड़ने पर वह कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर ताइजुल ने संवाददाताओं से कहा, ₹मैंने इस मामले (नजमुल के कप्तानी से इस्तीफा देने के संबंध में) पर कुछ नहीं सुना है। यह हमारी भूमिका का हिस्सा नहीं है, मुझे इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है। 10 साल तक खेलने के बाद मैं कप्तानी के लिए पूरी तरह तैयार हूं। हाल ही में भारत दौरे पर मिली करारी हार के बाद बांग्लादेश लगातार दूसरी सीरीज हारने की कगार पर है। उन्हें लगता है कि अगर उन्हें सीरीज बराबर करनी है तो बल्लेबाजों को ज्यादा ज़िम्मेदारी लेनी होगी।

पीकेएल को दिया गया वर्ष की सर्वश्रेष्ठ स्पोर्ट्स लीग का पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) को सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवार्ड्स 2024 में प्रतिष्ठित 'बेस्ट स्पोर्ट्स लीग ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार समारोह शुक्रवार, 18 अक्टूबर को नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) स्कोर कार्ड 2024 कार्यक्रम के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था, जिस दिन पीकेएल के 11वें संस्करण की शुरूआत भी हुई थी। सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवार्ड्स, एक अभूतपूर्व पहल है, जो खेल व्यवसाय क्षेत्र में उत्कृष्टता और नवाचार को मान्यता देता है। इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी श्रेणी में प्रो कबड्डी लीग की जीत भारतीय

खेल परिदृश्य पर इसके प्रभाव और एक खेल के रूप में कबड्डी के विकास में इसके योगदान को रेखांकित करती है। प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने पुरस्कार मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हम सीआईआई से यह मान्यता प्राप्त करके रोमांचित हैं। यह पुरस्कार 2014 में अपनी शुरूआत से ही प्रो कबड्डी लीग को एक शानदार सफलता बनाने में शामिल सभी लोगों की कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, हम पीकेएल को और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने, कबड्डी को और अधिक लोकप्रिय बनाने और भारत के वैश्विक खेल महाशक्ति बनने के सपने में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रो कबड्डी लीग की निदेशक चारू शर्मा ने कहा, ₹भारत का अनूठा विरासत वाला खेल - जो कई दशक पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया था - 10 साल पहले पीकेएल की बदौलत एक बेहद लोकप्रिय, प्रतिष्ठित, पेशेवर लीग बन गया है। कबड्डी की कहानी वाकई दिलचस्प है। मुझे खुशी है कि भारत की प्रमुख कॉर्पोरेट एजेंसी, सीआईआई ने मशाल स्पोर्ट्स द्वारा सुशासन पर दिए गए अत्यधिक ध्यान की सराहना की है, जिससे पीकेएल को सम्मान और स्थिरता मिली है। स्पोर्ट्स बिजनेस अवार्ड्स में 'बेस्ट स्पोर्ट्स लीग ऑफ द ईयर' के लिए सीआईआई का पुरस्कार जीतना, अनुपम गोस्वामी के नेतृत्व में पूरी मशाल स्पोर्ट्स टीम द्वारा की गई कड़ी मेहनत का वास्तव में संतुष्टिदायक सम्मान है। यह पुरस्कार ऐसे समय में दिया गया है जब भारत राष्ट्रीय खेल नीति 2024 के मसौदे जैसी पहल के साथ खेल क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। प्रो कबड्डी लीग की सफलता एक जीवंत और समावेशी खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के राष्ट्र के लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाती है, साथ ही खेल को ओलंपिक स्तर तक ले जाना भी है।

ऑस्ट्रेलिया में एफआईएस अल्पाइन सर्कीइंग विश्वकप में नार्वे के एलेकजेंडर स्टीन ओलसन स्लेलोम मुकाबले में जीत के बाद जश्न मनाते हुए ।

कृष्ण के 80 पुत्रों का रहस्य

आर्यभट्ट के अनुसार महाभारत युद्ध 3137 ईपू में हुआ। इस युद्ध के 35 वर्ष पश्चात भगवान कृष्ण ने देह छोड़ दी थी तभी से कलियुग का आरंभ माना जाता है। पुराणों के अनुसार 8वें अवतार के रूप में विष्णु ने यह अवतार 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में श्रीकृष्ण के रूप में देवकी के गर्भ से 8वें पुत्र के रूप में मथुरा के कारागार में जन्म लिया था। उनका जन्म भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकलने के बाद 8वें मुहूर्त में हुआ। तब रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि थी जिसके संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 3112 ईसा पूर्व (अर्थात आज से 5125 वर्ष पूर्व) को जन्म हुआ।

ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्य काल था। भगवान श्रीकष्ण ने आठ महिलाओं से विधिवत विवाह किया था। इन आठ महिलाओं से उनको 80 पुत्र मिले थे। इन आठ महिलाओं को अष्टा भार्या कहा जाता था। इनके नाम हैं : अष्ट भार्या : कृष्ण की 8 ही पत्नियां थीं यथा- रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा।

- श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के पुत्र - प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू।
- जाम्बवती-कृष्ण के पुत्र - साम्ब, सुमित्र, पुरुजित, शतजित, सहस्त्रजित, विजय, चित्रकेतु, वसुमान, द्रविड़ और क्रतु।
- सत्यभामा-कृष्ण के पुत्र - भानु, सुभानु, स्वरभानु, प्रभानु, भानुमान, चंद्रभानु, वृहद्भानु, अतिभानु, श्रीभानु और प्रतिभानु।
- कालिंदी-कृष्ण के पुत्र- श्रुत, कवि, वृष, वीर, सुबाहु, भद्र, शांति, दर्श, पूर्णमास और सोमक।
- मित्रविन्दा-श्रीकृष्ण के पुत्र- वृक, हर्ष, अनिल, गृध्र, वर्धन, अन्नाद, महांस, पावन, वह्नि और क्षुधि।
- लक्ष्मणा-श्रीकृष्ण के पुत्र- प्रघोष, गात्रवान, सिंह, बल, प्रबल, ऊर्ध्वग, महाशक्ति, सह, ओज और अपराजित।
- सत्या-श्रीकृष्ण के पुत्र- वीर, चन्द्र, अश्वसेन, चित्रगुप्त, वेगवान, वृष, आम, शंकु, वसु और कुंति।
- भद्रा-श्रीकृष्ण के पुत्र-संग्रामजित, वृहत्सेन, शूर, प्रहरण, अरिजित, जय, सुभद्र, वाम, आयु और सत्यक।

कृष्ण कुल का नाश

गांधारी के शाप के चलते भगवान श्री कृष्ण के कुल का नाश हो गया था। उल्लेखनीय है कि गांधारी ने यदुकुल या यदुवंश के नाश का शाप नहीं दिया था। मथुरा अंधक संघ की राजधानी थी और द्वारिका वृष्णियों की। ये दोनों ही यदुवंश की शाखाएं थीं। यदुवंश में अंधक, वृष्णि, माधव, यादव आदि वंश चला। श्रीकृष्ण ने मथुरा से जाकर द्वारिका में अपना स्थान बनाया था। श्रीकृष्ण ने द्वारिका का फिर से निर्माण कराया था, क्योंकि उनकी चीन यात्रा के दौरान शिशुपाल ने द्वारिका को नष्ट कर दिया था। श्रीकृष्ण वृष्णि वंश से थे। वृष्णि ही 'वार्ष्णेय' कहलाए, जो बाद में वैष्णव हो गए।

महाभारत युद्ध के बाद जब 36वां वर्ष प्रारंभ हुआ तो राजा युधिष्ठिर को तरह-तरह के अपशकुन दिखाई देने लगे। विश्वामित्र, असित, दुर्वासा, कश्यप, वशिष्ठ और नारद आदि बड़े-बड़े ऋषि द्वारका के पास पिंडारक क्षेत्र में निवास कर रहे थे। एक दिन सारण आदि किशोर जाम्बवती नंदन साम्ब को स्त्री वेश में सजाकर उनके पास ले गए और बोले- ऋषियों, यह कजरारे नैनों वाली बभ्रु की पत्नी है और गर्भवती है। यह कुछ पूछना चाहती है लेकिन सकुचाती है। इसका प्रसव समय निकट है, आप सर्वज्ञ हैं। बताइए, यह कन्या जनेगी या पुत्र। ऋषियों से मजाक करने पर उन्हें क्रोध आ गया और वे बोले, 'श्रीकृष्ण का पुत्र साम्ब वृष्णि और अर्धकवंशी पुरुषों का नाश करने के लिए लोहे का एक विशाल मूसल उत्पन्न करेगा। केवल बलराम और श्रीकृष्ण पर उसका वश नहीं चलेगा। बलरामजी स्वयं ही अपने शरीर का परित्याग करके समुद्र में प्रवेश कर जाएंगे और श्रीकृष्ण जब भूमि पर शयन कर रहे होंगे, उस समय जरा नामक व्याध उन्हें अपने बाणों से बींध देगा।' मुनियों की यह बात सुनकर वे सभी किशोर बहुत डर गए। उन्होंने तुरंत साम्ब का पेट (जो गर्भवती दिखने के लिए बनाया गया था) खोलकर देखा तो उसमें एक मूसल मिला। वे सब बहुत घबरा गए और मूसल लेकर अपने आवास पर चले गए। उन्होंने भरी सभा में वह मूसल ले जाकर रख दिया। उन्होंने राजा उग्रसेन सहित सभी को यह घटना बता दी। उन्होंने उस मूसल का चूरा-चूरा कर डाला तथा उस चूरे व लोहे के छोटे टुकड़े को समुद्र में फिंकवा दिया जिससे कि ऋषियों की भविष्यवाणी सही न हो। लेकिन उस टुकड़े को एक मछली निगल गई और चूरा लहरों के साथ समुद्र के किनारे आ गया और कुछ दिन बाद एरक (एक प्रकार की घास) के रूप में उग आया। मछुआरों ने उस मछली को पकड़ लिया। उसके पेट में जो लोहे का टुकडा था उसे जरा नामक ब्याध ने अपने बाण की नोंक पर लगा लिया। मुनियों के शाप की बात श्रीकृष्ण को भी बताई गई थी। उन्होंने कहा- ऋषियों की यह बात अवश्य सच होगी। एकाएक उन्हें गांधारी के शाप की बात याद आ गई। वृष्णिवंशियों को दो शाप- एक गांधारी का और दूसरा ऋषियों का। श्रीकृष्ण सब कुछ जानते थे लेकिन शाप पलटने में उनकी रुचि नहीं थी।

36वां वर्ष चल रहा था। उन्होंने यदुंवशियों को तीर्थयात्रा पर चलने की आज्ञा दी। वे सभी प्रभास में उत्सव के लिए इकट्ठे हुए और किसी बात पर आपस में झगड़ने लगे। झगड़ा इतना बढ़ा कि वे वहां उग आई घास को उखाड़कर उसी से एक-दूसरे को मारने लगे। उसी 'एरका' घास से यदुवंशियों का नाश हो गया। हाथ में आते ही वह घास एक विशाल मूसल का रूप धारण कर लेती। श्रीकृष्ण के देखते-देखते साम्ब, चारुदेष्ण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध की मृत्यु हो गई।

मौसुल युद्ध

इस आपसी झगड़े को मौसुल युद्ध कहा जाता है। इस युद्ध के कई रहस्य हैं। झगड़े की शुरुआत कृतवर्मा के अपमान से हुई। सात्यकि ने मदिरा के आवेश में उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि अपने को क्षत्रिय मानने वाला ऐसा कौन वीर होगा, जो रात में मुर्दे की तरह सोए मनुष्यों की हत्या करेगा। तूने जो अपराध किया है, यदुवंशी उसे कभी माफ नहीं कर सकते। उसके ऐसा कहने पर प्रद्युम्न ने भी कृतवर्मा का अपमान करते हुएउनकी बात का समर्थन किया। कृतवर्मा ने महाभारत का युद्ध लड़ा था और वे युद्ध में जीवित बचे 18 योद्धाओं में से एक थे। कृतवर्मा यदुवंश के अंतर्गत भोजराज हृदिक का पुत्र और वृष्णि वंश के 7 सेनानायकों में से एक था। महाभारत युद्ध में इसने एक अक्षौहिणी सेना के साथ दुर्योधन की सहायता की थी। कृतवर्मा कौरव पक्ष का अतिरथी योद्धा था। कृतवर्मा को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने एक हाथ उठाकर सात्यकि का तिरस्कार करते हुए कहा, 'भूरिश्रवा की बांह कट गई थी और वे मरणांत उपवास का निर्णय कर युद्ध भूमि में बैठ गए थे, उस अवस्था में भी तुमने वीर कहलाकर भी उनकी नृशंसतापूर्वक हत्या क्यों कर दी थी। यह तो नपुंसकों जैसा कृत्य था। इस बात पर सात्यकि को क्रोध आ गया। उन्होंने तलवार से कृतवर्मा का सिर धड़ से अलग कर दिया। बात बढ़ती चली गई और सब काल-कवलित हो गए। मूसल के प्रहार से उन सबने एक-दूसरे की जान ले ली।

ऐसे सपने बताते हैं घर में आने वाली हैं खुशियां

सपने सभी को दिखाई देते हैं। उनमें से कुछ सपने अच्छे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जबकि कुछ भविष्य में आने वाली परेशानियों से आगाह करते हैं। स्वप्न ज्योतिष के अनुसार, सपनों का संबंध कहीं न कहीं आपके मन और आपकी चाहतों से होता है। प्राचीन काल से चली आ रही मान्ताओं के अनुसार सपने आने वाले शुभ और अशुभ फलों के बारे में बताते हैं। कुछ सपने ऐसे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इनके दिखने का मतलब है घर में आने वाली है बड़ी खुशी। आइए जानते है कुछ ऐसे ही सपनों के बारे में जो ये संकेत देते हैं।

अनार का फल देखना

अनार का फल देखने का मतलब है धन लाभ भी और संतान प्राप्ति का संकेत देता हैं।

आम का पेड़ देखना

अगर सपने में आप आम से लदे हुए पेड़ को देखते हैं तो यह संकेत है कि आपके घर में खुश खबरी आने वाली है।

सपने में सांप को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आपको सपने में सांप दिखने लगे तो इसका मतलब है कि आपके घर में नए मेहमान का आगमन हो सकता है यानी आपके घर में संतान का जन्म हो सकता है। यह सपना धन लाभ का भी सचक माना जाता है।

छोटे बच्चो को खेलते हुए देखना

छोटे बच्चे को खेलते हुए देखने का मतलब है आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी और संतान प्राप्ति का योग बनेगा।

सेब खाते हुए देखना

महलिाओं का सेब खाते हुए देखने का मतलब है कि खुशखबरी आने वाली है। वह मां बन सकती हैं। गोद में और फलों की टोकरी देखने का मतलब भी संतान प्राप्ति माना गया है।

इमली खाते हुए देखना

सपने में ईमली खाते हुए देखने का मतलब है आपके घर में बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है।

दर्पण देखना

सपने में दर्पण देखने का मतलब है कि आपको जल्दी ही संतान सुख मिलेगा।

हरा-भरा खेत देखना

सपने में हरा भरा खेत दिखना मतलब जीवन में हरयािली यानी धन और सुख का समय आने वाला है। यह सपना संतान प्राप्ति का भी सूचक माना जाता है।

लाल फूल का दिखना

सपने में लाल फूल का दखिना अच्छा शगुन माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको संतान सुख मिलेगा।

नाखून का बढ़ा हुआ देखना

अपने नाखून का बढ़ा हुआ देखना अच्छा शगुन माना जाता है। यह स्वप्न बताता है कि आपको कहीं से धन लाभ मिलेगा। यह स्वप्न नि:संतान दंपत्ति को संतान सुख का संकेत देता है।

इस श्राप के कारण शिवजी ने काटा था गणेशजी का सिर

पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि एक बार शिवजी ने अपने पुत्र गणेश का सिर त्रिशूल से काट दिया था। मगर, क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने की स्थिति क्यों बनी थी। वह क्या श्राप था, जिसकी वजह से भोलेनाथ को भी पीड़ा उठानी पड़ी।

गणेशजी के जन्म की कहानी

एक बार शिवजी के गण नंदी ने देवी पार्वती की आज्ञा पालन में त्रुटि कर दी थी। इससे नाराज देवी ने अपने शरीर के उबटन से एक बालक का निर्माण कर उसमें प्राण डाल दिए और कहा कि तुम मेरे पुत्र हो। तुम मेरी ही आज्ञा का पालन करना किसी और की नहीं। देवी पार्वती ने यह भी कहा कि मैं स्नान के लिए जा रही हूं। ध्यान रखना कोई भी अंदर न आने पाए। थोड़ी देर बाद वहां भगवान शंकर आए और देवी पार्वती के भवन में जाने लगे। यह देखकर उस बालक ने विनयपूर्वक उन्हें रोकने का प्रयास किया। बालक का हठ देखकर भगवान शंकर क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। देवी पार्वती ने जब यह देखा तो वे बहुत क्रोधित हो गई। उनकी क्रोध की अग्नि से सृष्टि में हाहाकार मच गया। तब सभी देवताओं ने मिलकर उनकी स्तुति की और बालक को पुनर्जीवित करने के लिए कहा। तब भगवान शंकर के कहने पर विष्णुजी एक हाथी का सिर काटकर लाए और वह सिर उन्होंने उस बालक के धड़ पर रखकर उसे जीवित कर दिया। तब भगवान शंकर व अन्य देवताओं ने उस गजमुख बालक को अनेक आशीर्वाद दिए। देवताओं ने गणेश, गणपति, विनायक, विघ्नहरता, प्रथम पूज्य आदि कई नामों से उस बालक की स्तुति की।

यह था शिवजी को श्राप

एक समय में माली और सुमाली दो राक्षस थे जो शिव को समर्पित थे। सूर्य देव उन राक्षसों को उनके पापों के लिए मारने वाले थे। राक्षसों ने शिव से प्रार्थना की और शिव ने उनकी रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने सूर्य को अपने त्रिशूल से मार दिया और इससे सारी दुनिया अंधेरे में डूब गयी। त्रिशूल की चोट से सूर्य की चेतना नष्ट हो गई और वह तुरंत रथ से नीचे गिर पड़े। जब कश्यपजी ने देखा कि उनका पुत्र मरणासन्न अवस्था में हैं, तो वे उसे छाती से लगाकर फूट-फूटकर विलाप करने लगे। सारे देवताओं में हाहाकार मच गया। सभी भयभीत होकर रोने लगे। तब ब्रह्मा के पौत्र तपस्वी कश्यप जी ने शिवजी को शाप दिया, वे बोले जैसा आज तुम्हारे प्रहार के कारण मेरे पुत्र का हाल हो रहा है। ठीक वैसे ही तुम्हारे पुत्र पर भी होगा। तुम स्वयं अपने ही पुत्र का मस्तक काट दोगे। इसी श्राप के कारण ऐसे संयोग बने कि महादेव को गणेश जी का सर काटना पड़ा।

विदेशों में भी मानते हैं मोर पंखों को शुभ

मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं। मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।

- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।

यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

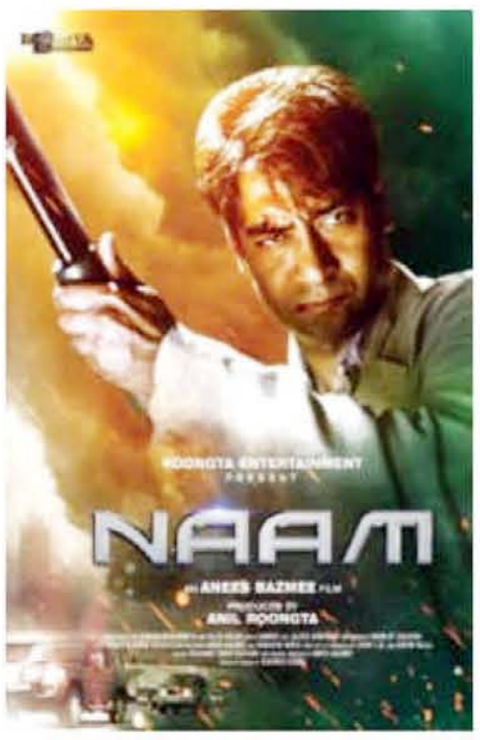

अजय देवगन के नई मूवी 'नाम' की घोषणा

एक्शन स्टार अजय देवगन और निर्देशक अनीस बज्मी एक बड़े एक्शन एंटरटेनर के लिए टीम बना रहे हैं। जबकि अजय देवगन 'सिंघम अगेन' के रिलीज के लिए तैयार हो रहे हैं, और अनीस बज्मी 'भूल भुलैया 3' के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, इस जोड़ी ने अपने फैंस और दर्शकों को नई एक्शन स्पेक्टेकल 'नाम' की घोषणा करके चौंका दिया है। निर्माताओं ने आधिकारिक शीर्षक के साथ एक घोषणा पोस्टर के माध्यम से दर्शकों को उत्सुक कर दिया है। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित और अनिल रोओंग्टा द्वारा रोओंग्टा एंटरटेनमेंट प्रजेंट्स, स्नीगधा मूवीज प्रा. लि. के सहयोग से 'नाम' अजय देवगन के फैंस और दर्शकों के लिए एक सिनेमा स्पेक्टेकल होने का वादा करता है। यह फिल्म 22 नवंबर, 2024 को पेन मारुधर द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर रिलीज की जाएगी। आज जारी किए गए पहले लुक पोस्टर ने फिल्म के बारे में अधिक जानने की जिज्ञासा पैदा कर दी है, जो अजय देवगन को मुख्य भूमिका में लेकर एक उच्च-ऑक्टेन, गहन एक्शन ड्रामा होने का वादा करती है।

सनी देओल के एक्शन फिल्म 'जाट' धमाकेदार एक्शन से भरपूर

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जाट' का पहला पोस्टर और आधिकारिक टाइटल जारी किया गया है। इस फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी ने किया है और इसे माइथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने प्रोड्यूस किया है। 'जाट' एक ऐसा सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। रिलीज़ हुए फर्स्ट लुक पोस्टर में सनी देओल एक दमदार और इंटेंस अवतार में नजर आ रहे हैं, जिससे साफ है कि यह फिल्म भरपूर एक्शन और ड्रामा से भरी होगी। फिल्म के एक्शन और बड़े-बड़े स्टंट्स इस जॉनर को एक नई दिशा देंगे। सनी देओल, जो अपनी शानदार स्क्रीन प्रेज़ेंस और दमदार परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं, गोपीचंद मलिनेनी के साथ काम कर रहे हैं। मलिनेनी को इंटेंस एक्शन और दिलचस्प कहानियों को जोड़ने के लिए जाना जाता है, और यह सहयोग दर्शकों के लिए एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव लेकर आएगा। 'जाट' में रणदीप हुड्डा, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा जैसे सितारे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो फिल्म को गहराई और दमखम प्रदान करेंगे। फिल्म का निर्माणमाइथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री जैसी प्रमुख प्रोडक्शन हाउस के द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिससे उच्च गुणवत्ता और शानदार मनोरंजन की गारंटी है।

मैं किसी को जज नहीं करती: कृति सेनन

सोशल मीडिया पर आलिया भट्ट के बोटोक्स कॉस्मेटिक सर्जरी को लेकर गर्माये मुद्दे के बीच बालीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने कहा -मैं किसी को जज नहीं करती सबका अपना-अपना तरीका है। ताजा इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जो लोग कॉस्मेटिक सर्जरी करवाते हैं उन्हें वो जज नहीं करतीं हैं लेकिन वह ये भी नहीं चाहतीं कि युवा लड़कियां हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव महसूस करने लगें। एक्ट्रेस ने कहा कि अगर आप अपनी बॉडी का कोई अंग बदलकर कॉन्फिडेंट महसूस कर रहे हैं तो ये आप पर है। ये आपका डिसीजन होना चाहिए। फिर आपके इस फैसले के साथ जो बी हो आपको वो फेस करना पड़ेगा। ये आपकी लाइफ है, आपकी बॉडी है, आपका फेस है। मैं इसका जजमेंट नहीं करती। लेकिन हां, मैं ये भी नहीं चाहती कि यंग लड़कियां हमेशा से सुंदर दिखने का प्रेशर फील करें ।एक्ट्रेस ने आगे कहा कि कोई भी हर समय परफेक्ट नहीं दिख सकता। मैं भी कई बार नहीं दिखती। अगर आप ऐसे पेशे में हैं तो आपका एक हिस्सा हमेशा अच्छा दिखना चाहिए। जहां एक पिंपल उन्हें कुछ समय के लिए दुखी कर सकता है लेकिन यह उसे उस हद तक असुरक्षित नहीं बनाता है जहां उन्हें कुछ बदलने की जरूरत महसूस हो। कृति ने कहा, अगर आप नेचुरली खूबसूरत दिखना चाहती हैं तो मैं यही कहूंगी कि अपनी सेहत, खान-पान और मानसिक स्थिति का ख्याल रखे। ये बहुत ज्यादा जरूरी है। हम अपनी मेंटल हेल्थ के साथ जो कुछ करते हैं वो हमारे फेस पर भी दिखता है। आपका अच्छा रहना इस पर डिपेंड करता है कि आप अपना कैसे ख्याल रख रहे हैं। काम की बात करें तो कृति सेनन इन दिनों हालिया रिलीज हुई फिल्म दो पत्ती को लेकर खूब चर्चा में हैं।

एलेक्शी गुप्ता ने अब टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा

अभिनेत्री एलेक्शी गुप्ता ने अब टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा है। इस बारे में बात करते हुए एलेक्शी गुप्ता ने कहा, टीवी शो में काम करना हमेशा से मेरा सपना था, लेकिन यह आसान नहीं है। फिल्मों में, आपके पास किरदार की तैयारी के लिए समय होता है, दृश्यों का अभ्यास कर सकते हैं, और अपनी परफॉर्मेंस को संवार सकते हैं। लेकिन टेलीविजन में गति बहुत तेज होती है। मुझे हर दिन 13 घंटे लगातार शूट करना पड़ता है, और कभी-कभी स्क्रिप्ट उसी दिन दी जाती है, जिसे मुझे तुरंत याद करना होता है ।हालांकि, यह व्यस्त शेड्यूल उनके लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है, एलेक्शी इस अवसर को लेकर आभारी हैं, जिसने उन्हें एक अभिनेता के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया। उन्होंने कहा, इसने मुझे अपने कम्फर्ट जोन से बाहर धकेला और मेरी एक्टिंग का ग्राफ बढ़ाया। मेरे किरदार का परिवार में सकारात्मकता फैलाने का मकसद है, जो मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, और यही वजह है कि मैंने इस भूमिका को स्वीकार किया। अपने किरदार साक्षी के माध्यम से, एलेक्शी सकारात्मक प्रभाव लाने की कोशिश कर रही हैं, जहाँ उन्हें प्रेरणादायक कहानियाँ पढ़ने और भावनात्मक पत्रों का उत्तर देने का मौका मिलता है। उन्होंने बताया, फिल्मों में समय की एक विलासिता होती है, जो टीवी में नहीं होती। यह तेज़ और कठोर है, लेकिन इसने मुझे दृढ़ता सिखाई है। मैं उन सभी अभिनेताओं को सलाम करती हूँ जो वर्षों से टीवी में काम कर रहे हैं। यह उतना आसान नहीं है जितना लगता है। एलेक्शी ने अपने करियर को संतुलित करने की उम्मीद जताई और बताया कि वह फिलहाल अपने टीवी शो के साथ-साथ अपनी आगामी बॉलीवुड फिल्म वीर मुरारबाजी पर भी काम कर रही हैं, जो अगले साल रिलीज होने वाली है ।उन्होंने कहा, इस भूमिका के माध्यम से मैं दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहती हूँ। एलेक्शी ने बॉलीवुड और टेलीविजन में काम करने के बीच की भिन्नताओं पर भी चर्चा की।

यश ने नमित मल्होत्रा से अपनी पहली मुलाकात को याद किया

भारतीय फिल्म उद्योग और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के बीच नमित मल्होत्रा ने एक पुल का काम किया है। उनकी कंपनियों, डीएनईजी और प्राइम फोकस, ने हॉलीवुड में कई बड़े प्रोजेक्ट्स का समर्थन किया है, जैसे कि द गारफील्ड मूवी और द एंग्री बर्ड्स मूवी 3, जिससे वे एक प्रसिद्ध भारतीय नाम बन गए हैं। हाल ही में, कन्नड़ फिल्म उद्योग के स्टार यश, जिन्हें केजीएफ के नाम से जाना जाता है, ने अपने आगामी प्रोजेक्ट रामायण के बारे में बात की। एक इंटरव्यू में, यश ने नमित मल्होत्रा के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया, जो लॉस एंजेलेस में एक प्रोजेक्ट टॉक्सिक के लिए वीएफएक्स पर चर्चा के दौरान हुई थी। यश ने बताया, 'मुझे नमित और उनका विजन बहुत पसंद आया। हम दोनों का उद्देश्य भारतीय फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाना था। दर्शकों से हमें मिले समर्थन ने हमारे विजन को और मजबूत कर दिया। हमारी चर्चा के दौरान, उन्होंने मुझसे पूछा, 'क्या आप इसका हिस्सा बनना चाहते हैं?' उस समय मुझे समझ आ गया कि वे मेरे विजन में कितना मूल्य जोड़ेंगे। वह बहुत बड़ी क्षमता वाले एक महान व्यक्ति हैं, और कई लोग उनकी उपलब्धियों के बारे में नहीं जानते। उनकी कंपनी ने 5-6 ऑस्कर जीते हैं, और यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि एक भारतीय ने इस पद को संभाला है और ऐसे अद्भुत काम कर रहा है। मैं बहुत भाग्यशाली और आभारी महसूस करता हूँ कि मुझे ऐसे बेहतरीन सहयोगियों के साथ काम करने का अवसर मिला।'

भूल भुलैया और मंजुलिका के 17 साल: विद्या बालन सबसे प्रतिष्ठित भूतनी के रूप में

ब्लॉकबस्टर हॉरर कॉमेडी एंटरटेनर भूल भुलैया ने आज अपनी रिलीज़ के 17 साल पूरे कर लिए हैं। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में अक्षय कुमार, विद्या बालन, अमीषा पटेल और परेश रावल अहम भूमिकाओं में थे। हालाँकि यह फ़िल्म मज़ेदार और कॉमेडी से भरपूर थी, लेकिन इसे मुख्य रूप से बहुमुखी अभिनेत्री और प्रतिभा की पावरहाउस विद्या बालन के लिए याद किया जाता है, जिन्होंने भूतनी 'मंजुलिका' के रूप में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ी। अपने बेहतरीन अभिनय, हाव-भाव और बॉडी लैंग्वेज से विद्या ने इस किरदार को प्रतिष्ठित बना दिया और फ़िल्म में एक महत्वपूर्ण हॉरर तत्व जोड़ दिया। मंजुलिका के रूप में उन्होंने जो प्रभाव छोड़ा, वह बेजोड़ है और तब से प्रशंसक और अधिक की माँग कर रहे हैं। मीम संस्कृति के उभरने के बाद से, मंजुलिका मीम की दुनिया में एक प्रमुख स्थान रखती है। विद्या का किरदार प्रतिष्ठित और प्रासंगिक बना हुआ है, जिसे विभिन्न अवसरों के लिए हास्यपूर्ण ढंग से रूपांतरित किया गया है। विद्या बालन की मंजुलिका के रूप में वापसी को हिंदी सिनेमा में किसी सीक्वल की सबसे बहुप्रतीक्षित वापसी माना जा रहा है।

गोल्डन साड़ी में शानदार तस्वीरें शेयर की पूजा हेगड़े ने

हाल ही में अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने एक खूबसूरत और चमकदार गोल्डन साड़ी में अपनी शानदार तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने 22 अक्टूबर को मुंबई में अपने घर पर एक शानदार दिवाली पार्टी का आयोजन किया, जो सितारों से सजी हुई थी। पूजा ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, इस साल दिवाली का मौसम जल्दी शुरू हो रहा है ।तस्वीरों में पूजा राधे श्याम के स्टार के रूप में नजर आ रही हैं, जिसमें उन्होंने शानदार आइवरी गोल्ड-एम्बेलिश्ड साड़ी पहनी है। साड़ी को स्टाइलिश चमकदार ब्लाउज के साथ पेयर किया गया है, और उन्होंने अपने लुक को स्टेटमेंट नेकलेस और चंकी चूड़ियों के साथ पूरा किया। उनके मेकअप में न्यूनतम ग्लैम का चयन किया गया, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहा। मनीष की दिवाली पार्टी में कई मशहूर सितारे भी शामिल हुए, जिनमें सिद्धार्थ मल्होत्रा, कियारा आडवाणी, शाहिद कपूर, मीरा राजपूत, वरुण धवन, नताशा दलाल, करण जौहर, श्रद्धा कपूर, वेदांग रैना, खुशी कपूर, जान्हवी कपूर, तृप्ति डिमरी, तमन्ना भाटिया और अर्जुन कपूर शामिल थे। वर्कफ्रंट की बात करें, तो पूजा हेगड़े जल्द ही रोशन एंड्रयूज की एक्शन थ्रिलर देवा में शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इस फिल्म का पहला लुक इस साल जुलाई में जारी किया गया था। मेकर्स ने इसकी रिलीज की तारीख भी तय कर दी है, जो 14 फरवरी 2025 को होगी। फिल्म में पावेल गुलाटी भी अहम भूमिका में हैं, और इसका लेखन और निर्देशन कार्तिक सुब्बाराज ने किया है। इसके अलावा, पूजा थलपति 69 में विजय और बॉबी देओल के साथ भी नजर आएंगी। इस फिल्म में गौतम वासुदेव मेनन, प्रकाश राज, नारायण, प्रियामणि, ममिता बैजू और मोनिशा ब्लेसी जैसे सितारे सहायक भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

फिल्म की सफलता से अली फजल और ऋचा चड्ढा बेहद खुश

बॉलीवुड कपल अली फजल और ऋचा चड्ढा इस समय अपनी पहली प्रोडक्शन फिल्म गर्ल्स विल बी गर्ल्स की अंतरराष्ट्रीय सफलता को लेकर बेहद खुश हैं। फिल्म की सफलता पर ऋचा चड्ढा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'मामी में इन पुरस्कारों को जीतना हमारे लिए घर वापसी जैसा लगता है। इस फिल्म ने मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2024 में कुल 4 अवॉर्ड्स जीते हैं, जो कि उनके लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अंतरराष्ट्रीय समारोहों में गर्ल्स विल बी गर्ल्स की अविश्वसनीय यात्रा के बाद, इस तरह से फिल्म को पसंद किया जाना वास्तव में दिल को छू लेने वाला है। कानी कुश्रुति, प्रीति पाणिग्रही, केसव बेनॉय किरण और जितिन गुलाटी जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने शानदार प्रदर्शन किया है, और अली और मैं गर्ल्स विल बी के साथ जो हासिल हुआ, उस पर बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। लड़कियाँ इस बात से रोमांचित हैं कि इसे वह पहचान मिल रही है, जिसकी यह हकदार है।' अली फजल ने भी अपने विचार साझा किए और कहा, 'इन जीतों को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि फिल्म को विशेष रूप से लिंग श्रेणी में मान्यता मिली थी। एक पुरुष और एक सिनेप्रेमी के रूप में मैं महिलाओं द्वारा बताई गई महिलाओं के बारे में इन कहानियों को देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। ये कहानियाँ दर्शकों की विस्तृत श्रृंखला के साथ गहन तरीके से प्रतिध्वनित हो रही हैं। हम इस सफलता का श्रेय अपनी अविश्वसनीय टीम को देते हैं। शुचि के निर्देशन ने कहानी को बेहद खूबसूरत तरीके से जीवंत कर दिया।' गर्ल्स विल बी गर्ल्स एक संवेदनशील फिल्म है, जो ब्लिंक डिजिटल और डोल्से वीटा फिल्म्स के सहयोग से ऋचा चड्ढा और अली फजल के संयुक्त उद्यम पुशिंग बटन स्टूडियो के तहत निर्मित है।

प्राधिकरण ने 56 किसानों को दिया आबादी के भूखंडों का उपहार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने दीपावली के अवसर पर 56 किसानों को 5 फीसदी आबादी के भूखंडों का उपहार भेंट किया। इस मौके पर सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. महेश शर्मा तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. लोकेश एम ने किसानों को भूखंडों का आवंटन पत्र सौंपा। सेक्टर-6 स्थित इंदिरा गांधी कला केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में प्रमाण-पत्र सौंपे गये। 8 ग्रामों इलाबांस, परथला खंजरपुर, रसूलपुर नवादा, शहदरा, सुथियाना, छजारसी, मोहियापुर, नंगला नंगली के काश्तकारों की अर्जित भूमि के सापेक्ष 5 प्रतिशत आबादी के 56 भूखण्डों के आवंटन पत्र किसानों को बांटे गये।

कार्यक्रम में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल, मुख्य विधि सलाहकार रविन्द्र प्रसाद गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी, कान्ति शेखर सिंह, विशेष कार्याधिकारी अरविन्द कुमार सिंह, विशेष कार्याधिकारी अशोक शर्मा, विशेष कार्याधिकारी देवेन्द्र प्रताप, महाप्रबन्धक नियोजन श्रीमती मीना भार्गव, सहायक महाप्रबन्धक संजीव बेदी एवं वरि. प्रबन्धक नियोजन देवेन्द्र निगम द्वारा विशेष रूप से प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया गया। कृषको की ओर से विभिन्न कृषको के अतिरिक्त अनेको किसान संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

दीपावली के शुभ अवसर पर उक्त आवासीय भूखण्डों के आवंटन पत्र निर्गत होने से किसानों में खुशी की लहर है।

'पिंक बूथ' महिलाओं की सुरक्षा का सशक्त माध्यम: लक्ष्मी सिंह

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन की मिशन शक्ति 5.0 योजना के तहत, महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने थाना फेस-2 क्षेत्र के भंगेल में पुलिस पिंक बूथ और नव निर्मित पुलिस चौकी का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पुलिस पिंक बूथ महिलाओं और बालिकाओं के लिए त्वरित सहायता का एक सशक्त माध्यम है। यहां महिला पुलिसकर्मी तैनात रहेंगी ताकि शिकायत लेकर आने वाली महिलाओं को अपनी समस्याओं को साझा करने में किसी प्रकार की झिझक महसूस न हो। मैं सभी महिलाओं से आग्रह करती हूँ कि वे निर्भीक होकर यहां आकर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं और पुलिस की सहायता प्राप्त करें।

इस अवसर पर, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बच्चों को बैग, किताबें, पानी की बोतलें, और टिफिन भी वितरित किए। उन्होंने कहा, 'महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, और हमें यह सुनिश्चित करना है कि हर महिला इस शहर में खुद को सुरक्षित महसूस करे।'

कार्यक्रम में अपर पुलिस आयुक्त बबलू कुमार, डीसीपी महिला सुरक्षा सुनिति, डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी, एडीसीपी ह्रदेश कठेरिया, और अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

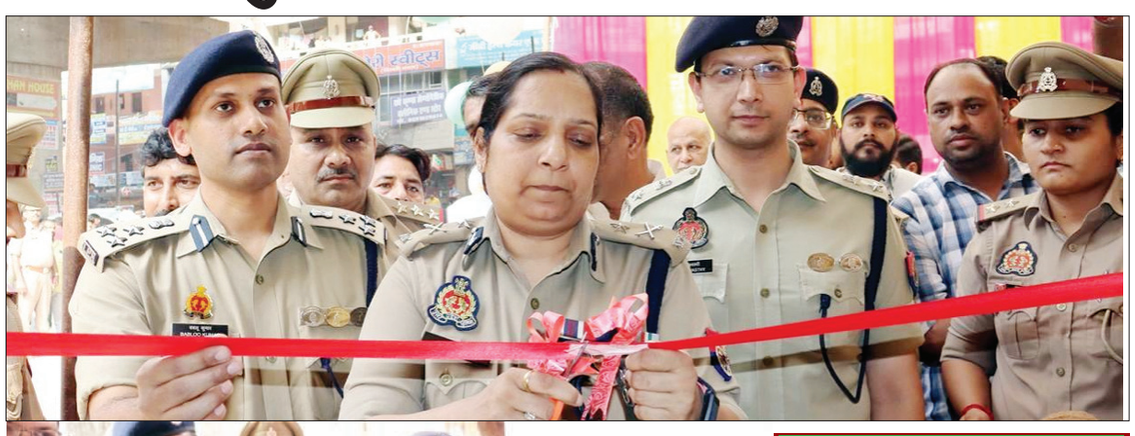

महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा जागरूकता अभियान

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मी प्रतिदिन विभिन्न थाना क्षेत्रों में जाकर महिलाओं को आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, और अन्य अपराधों से संबंधित जानकारी दे रही हैं। साथ ही, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, आपातकालीन सेवा 112, और साइबर हेल्पलाइन 1930 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों की जानकारी भी दी जा रही है।

छठ पूजा को लेकर पूर्वांचल मित्र मंडल ने की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। पूर्वांचल मित्र मंडल छठ पूजा समिति की बैठक सेक्टर 31 के शहीद भगत सिंह पार्क में पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया कर दिया जाएगा जिससे समय रहते सारी तैयारियां पूरी हो सकें।

सेक्टर-31 स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में हुई। बैठक में छठ पूजा की तैयारियों पर चर्चा की गई। बैठक में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रणनीति बनाई गई।

इस अवसर पर समित के महासचिव राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 7 नवम्बर को सूर्य उपासना का महापर्व जाएगा। 7 नवम्बर को अस्ताचलगामी सूर्य को छठव्रतियों द्वारा अर्घ्य दिया जाएगा वहीं 8 नवम्बर को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था का सही प्रबंधन हो इसकी बैठक में चर्चा की गई। छठ व्रतियों को कोई असुविधा ना हो इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। घाट का निर्माण जल्द शुरू

इस अवसर पर आयोजन समिति के संयोजक अर्जुन प्रजापति, जय प्रकाश, तरुण कुमार, गजेंद्र सिंह, अविनाश सिंह, राजेश अंबावता, मंगल ठाकुर, मयंक सिंह, सुजीत केसरी, मोहित केसरी, सुधीर राय सहित तमाम आयोजन समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिसरख के पूर्व ब्लॉक प्रमुख ध्यान सिंह भाटी का निधन

नोएडा (चेतना मंच)। दो दशक से अधिक समय तक दादरी नोएडा विधानसभा क्षेत्र की राजनीति के महत्वपूर्ण किरदार रहे ध्यान सिंह भाटी का लंबी बीमारी के बाद बीती रात (65 वर्ष) की आयु में निधन हो गया। आज सुबह बिसरख गांव में सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

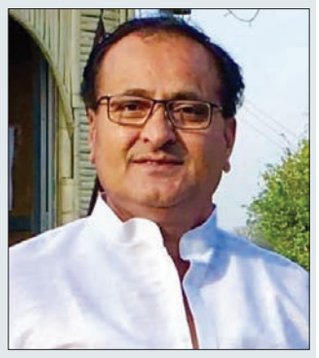

प्रमुख परिवार के नाम से क्षेत्र के जाने पहचाने परिवार में जन्मे ध्यान सिंह भाटी के पिता जगत सिंह भाटी 70-80 के दशक में बिसरख ब्लॉक प्रमुख थे। नब्बे के दशक में उनकी मां ब्लॉक प्रमुख रहीं। उनके पुत्र अंबरीष भाटी भी ब्लॉक प्रमुख रहे हैं। छोटे बेटे अरविंद भाटी प्राधिकरण में नौकरी कर रहे हैं।

पिता जी के प्रमुख रहते हुए ही राजनीति में सक्रिय हुए ध्यान सिंह भाटी जिला पंचायत गाजियाबाद के सदस्य भी रहे। एक लंबे समय तक दादरी नोएडा विधानसभा क्षेत्र में राजनीति के एक महत्वपूर्ण किरदार रहे ध्यान सिंह भाटी ने बीती रात बिसरख स्थित अपने पैतृक निवास पर अंतिम सांस ली।

धनतेरस, दीपावली और भैया दूज पर नोएडा के शॉपिंग मॉल के पास 'नो पार्किंग जोन'

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने धनतेरस, दीपावली एवं भैया दूज के पर्व के अवसर पर शहर के विभिन्न बाजारों, शॉपिंग मॉल और अन्य स्थानों पर रूट डायवर्जन के साथ ही साथ नोएडा के शॉपिंग मॉल के आसपास नो पार्किंग जोन बनाया गया है। नो पार्किंग जोन में वाहन खड़े करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धनतेरस, दीपावली एवं भैया दूज पर्व के अवसर पर शहर के विभिन्न बाजारों में लोगों की संख्या बढ़ जाती है वाहनों की अधिकता को देखते हुए नोएडा व ग्रेटर नोएडा में रूट डायवर्जन और नो-पार्किंग जोन बनाए गए हैं। नोएडा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अट्टा मार्केट सेक्टर-27, इंदिरा मार्केट सेक्टर 27, सेक्टर 18, जीआईपी मॉल, गार्डन गैलरिया मॉल, डीएलएफ मॉल, ब्रह्मपुत्र मार्केट सेक्टर-28, लाजिक्स मॉल, सिटी सेंटर, होशियारपुर शॉप्रिक्स मॉल सेक्टर-37, बोटैनिकल गार्डन, किसान चौक, सूरजपुर, जगत फार्म, परी चौक, कस्बा कासना एवं दादरी में रूट डायवर्जन व वाहनों की नो पार्किंग जोन बनाए गए हैं।

गौतमबुधनगर पुलिस कमिश्नरेट के मीडिया सेल ने जानकारी देते हुए बताया कि नोएडा के अट्टा मार्केट, इंदिरा मार्केट, सेक्टर 18 मार्केट, डीएलएफ मॉल, सेंटर स्टेज मॉल, गुरुद्वारा, जीआईपी मॉल, गार्डन गैलरिया मॉल एवं आसपास के सभी मार्गों को नो पार्किंग जोन बनाया गया है। नो पार्किंग जोन में वाहन खड़े करने वालों के वाहन क्रेन से टो कर लिए जाएंगे। वहीं अट्टा पीर चौक से कार मार्केट सेक्टर-28 एवं अट्टा चौक से अट्टा पीर तक ई-रिक्शा, ऑटो टेंपो का आवागमन धनतेरस, दीपावली एवं भैया दूज के अवसर पर पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा।

वाहन चालक अट्टा मार्किट, इंदिरा मार्किट, ब्रह्मपुत्र मार्किट, डीएलएफ मॉल, सेंट्रल स्टेज मॉल, गुरुद्वारा, जीआईपी मॉल, गार्डन गैलरिया मॉल में आने के लिए अपने वाहनों को डीएलएफ मॉल, सेंट्रल स्टेज मॉल, गुरुद्वारा जीआईपी मॉल गार्डन गैलरिया मॉल के अंदर स्थित मार्किट में तथा सेक्टर-18 स्थित मल्टीलेवल पार्किंग में पार्क कर खरीदारी कर सकते हैं। वहीं लॉजिक स्मॉल सिटी सेंटर के आसपास मुख्य मार्गों को नो-पार्किंग जोन बनाया गया है। नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा पाए जाने पर ई-चालान किया जाएगा। अट्टा मार्केट, सेक्टर-27 इंदिरा मार्केट, सेक्टर-18 जीआईपी मॉल, गार्डन गैलरिया मॉल, डीएलएफ मॉल, ब्रह्मपुत्र मार्केट सेक्टर-28 लॉजिक स्मॉल सिटी सेंटर शॉप्रिक्स मॉल होशियारपुर किसान चौक सूरजपुर जगत फार्म परी चौक कस्बा कासना एवं दादरी में आवश्यकता अनुसार रूट डायवर्जन किया जाएगा

वरिष्ठ नागरिकों के साथ मनाया दीवाली मिलन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एल्डिको ग्रीन मीडोज, ग्रेटर नोएडा में वरिष्ठ नागरिक समाज के तत्वावधान में दीवाली मिलन एवं समाज के स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में काव्य गोष्ठी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रोताओं का मन मोह लिया। विशेष रूप से राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित कवि ओमप्रकाश 'यती', प्रमोद मिश्र 'निर्मल', ओम रायजादा, और रंजना मल्लिक ने अपनी रचनाओं से समां बांध दिया।

इस अवसर के मुख्य अतिथि, दादरी विधायक तेजपाल नागर रहे। दीवाली मिलन समारोह में समाज के सैकड़ों वरिष्ठ नागरिक, पदाधिकारी और स्थानीय गणमान्य व्यक्ति के साथ उर्वशी सिंह, कुसुम तोमर, महासचिव गिरीश कुमार राघव, कोषाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार सिंघल, सहसचिव महीपाल सिंह, एवं सम्पादक अवधेश सक्सैना समेत अध्यक्ष देवेन्द्र नागर (आरडब्लूए, एल्डिको ग्रीन), डीके सब्बरवाल, हरिश्चंद्र गुप्ता, राजेंद्र पुरवार, डीसी तायल, एनएस भटनागर (रिटायर्ड डीएसपी), और एडवोकेट ओमप्रकाश भाटी (रिटायर्ड डीएसपी) जैसे कई वरिष्ठ सदस्य शामिल रहे।

समारोह के दौरान दीप प्रज्वलित कर और समूह भोज के बाद उपस्थित सभी सदस्य एक-दूसरे को दीवाली की शुभकामनाएं देकर उत्सव की बधाइयों में सम्मिलित हुए। अध्यक्ष रमनपाल सिंह ने मुख्य अतिथि समेत सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए दीवाली, गोवर्धन, और भाई दूज की शुभकामनाएं दीं।